वर्ष : 02
अंक : 343
पृष्ठ : 08
मूल्य : तीन रुपये

वाराणसी, मंगलवार, 02 अप्रैल, 2024

RNI No. : UPHIN/2023/84879

परिवर्तन दूत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

4 अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से...

Email : pdnewsvns@gmail.com e-paper:www.parivartandoot.com

ऋषभ ने खोला दिल्ली का खाता... 8

केजरीवाल गये तिहाड़ कैसे चलेगी सरकार

बैरक नम्बर दो में अकेले रहेंगे, हफ्ते में दो बार लोगों से मिलने की इजाजत

दिल्ली सीएम ने बताया कि आतिशी-सौरभ को विजय नायर करता था रिपोर्ट- ईडी

परिवर्तन दूत

नई दिल्ली। दिल्ली की शराब आबकारी नीति केस में सोमवार को सीएम अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए तिहाड़ जेल भेज दिया गया। वे जेल नंबर 2 में अकेले रहेंगे। 21 मार्च से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े दो मामलों पर राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी ने दावा किया कि केजरीवाल ने पूछताछ में बताया कि आतिशी और सौरभ भारद्वाज को विजय नायर रिपोर्ट करता था। ईडी ने कहा कि केजरीवाल हमें सहयोग नहीं कर रहे हैं। वे हमें गुमराह कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने पूछा कि ज्यूडिशियल कस्टडी के लिए ये दलीलें कितनी सही हैं?

एएसजी राजू ने कहा कि केजरीवाल अपने फोन का पासवर्ड नहीं शेयर कर रहे हैं। हम बाद में इनकी ईडी कस्टडी की मांग करेंगे। ये हमारा अधिकार है। इसके बाद कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दूसरा मामला केजरीवाल के जेल से सरकारी आदेश के खिलाफ था। सुरजीत सिंह यादव ने पीआईएल दाखिल कर जेल से सरकारी आदेश देने पर रोक लगाने की मांग की थी। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने सुनवाई करते हुए याचिका खारिज कर दी। इससे पहले कोर्ट में पेशी के दौरान केजरीवाल ने मीडिया से कहा- ये जो कर रहे हैं, देश के लिए अच्छा नहीं है। सुनवाई के दौरान केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, दिल्ली की मंत्री आतिशी, गोपाल राय और सौरभ भारद्वाज भी कोर्ट में मौजूद थे।

अरविंद तिहाड़ में टीवी देख सकेंगे। हफ्ते में दो बार उन लोगों से मिलने की इजाजत है जिनके नाम पहले से लिखे हैं। उनकी पत्नी और लॉयर अब तक उनसे मिलने गए हैं। अरविंद डायबिटिक हैं। इसीलिए उनके पास बिस्किट और कुछ ऐसा हल्का फुल्का नाश्ता रखा रहता है ताकि वो 2-3 घंटे में खाते रहें। उनकी डायट में उनके डायबिटिक होने का ध्यान रखा गया।

के. कविता की जमानत याचिका पर चार अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता की जमानत याचिका पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। जज कावेरी बावेजा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई की अगली तारीख 4 अप्रैल दी है। सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने के कविता की ओर से दलील रखी। वहीं ईडी की तरफ से जोहेब हुसैन ने अपनी बात कही। ईडी ने दिल्ली शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 23 मार्च तक ईडी की हिरासत में थीं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 26 मार्च को उन्हें 9 अप्रैल तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा था। तब से कविता तिहाड़ जेल में हैं। उन्होंने अपने नाबालिग बेटे की परीक्षा को लेकर अंतरिम जमानत की मांग की थी। कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 1 अप्रैल की तारीख तय की थी। एऊ ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में नियमों का हवाला देकर उनकी याचिका का विरोध किया था।इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

जांच एजेंसियों को शक्तियों और निजी अधिकारों के बीच बनाना होगा संतुलन - सीजेआई

जांच एजेंसियों के सामने तकनीक से जुड़ी कई जटिल चुनौतियां- चंद्रचूड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों के पास मौजूद तलाशी और जब्ती की शक्तियों और किसी व्यक्ति की निजता के अधिकार के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। संघीय जांच एजेंसी के पहले निदेशक की स्मृति में 20वें डीपी कोहली स्मारक व्याख्यान में न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने यह बात कही है। अपने संबोधन के दौरान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि खोज, जब्ती शक्तियों और व्यक्तिगत गोपनीयता अधिकारों के बीच नाजुक संतुलन कायम है। यह एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला है।

उन्होंने संबोधन में इस संतुलन के मूल में उचित प्रक्रिया को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन में निजी उपकरणों की अनुचित जब्ती का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि जांच संबंधी जरूरतों और निजी गोपनीयता अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने जांच एजेंसियों से अपनी लड़ाई लड़ने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि कई मामलों को बहुत अधिक विस्तार से फैलाने के बजाए उन्हें उन अपराधों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो देश की सुरक्षा, आर्थिक और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा हैं। अपराध के परिदृश्य पर बोलते हुए न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरणों का इस्तेमाल करने के अलावा उनसे निपटने के लिए अपनी क्षमताओं का निर्माण करना चाहिए। अपने संबोधन में न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि जैसे-जैसे हमारी दुनिया डिजिटल तकनीक के विस्तार के जरिए तेजी से आपस में जुड़ती जा रही है, उतना ही सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों को नई और कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

शेफाली ने संभाला पीआईबी महानिदेशक का कार्यभार

नयी दिल्ली। भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) की वरिष्ठ अधिकारी शेफाली बी. शरण ने सोमवार को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के प्रधान महानिदेशक और सरकार के प्रवक्ता का प्रभार संभाल लिया। वर्ष 1990 बैच की अधिकारी शरण, नीलम कपूर, दीपक संधू, शकुंतला महावल और एन जे कृष्णा के बाद पीबीआई का नेतृत्व करने वाली पांचवीं महिला अधिकारी हैं। उन्होंने मनीष देसाई का स्थान लिया है जो पीआईबी के प्रधान महानिदेशक पद से सेवानिवृत्त हो गए हैं। शरण इससे पहले निर्वाचन आयोग और वित्त मंत्रालय की प्रवक्ता रह चुकी हैं।

'आप' के पूर्व सांसद कांग्रेस में शामिल

नयी दिल्ली। पंजाब के पटियाला से आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार को यहां कांग्रेस में शामिल हो गये। धर्मवीर के पटियाला सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की संभावना है।

कांग्रेस पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा आयकर विभाग

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि वह करीब 3,500 करोड़ रुपये के कर मांग नोटिस के संबंध में लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने आयकर विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का यह बयान दर्ज किया कि मामले पर अंतिम फैसला आने तक मौजूदा परिस्थितियों में तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। पीठ ने कर मांग नोटिस पर कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई को जुलाई के लिए स्थगित कर दिया। मेहता ने सुनवाई की शुरूआत में कहा, मैं इस मामले में एक बयान देना चाहता हूं। कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी है और चूंकि चुनाव जारी हैं, हम पार्टी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग मामले के औचित्य पर टिप्पणी नहीं कर रहा और सभी अधिकार एवं दावे खुले रहने चाहिए। कांग्रेस की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने इस कदम की सराहना की और इसे 'उदार' बताया। उन्होंने कहा कि मार्च एवं उससे पहले विभिन्न वर्षों के लिए कुल लगभग 3,500 करोड़ रुपये के नोटिस जारी किए गए हैं।

पूरे देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा-योगी

हाथरस। उत्तर प्रदेश में चुनावी प्रचार जोर पकड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचार की कमान संभाल ली है। आज वह हाथरस में थे जहां उन्होंने सभा को संबोधित किया। इस दौरान योगी ने पिछली सरकारों पर आतंक का राज कायम करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उंगली उठाने वाले लोग भारत के विकास में बाधक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विकसित भारत का सर्वांगीण विकास ही मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में हर व्यक्ति, जाति और समुदाय को बिना भेदभाव के सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। जातिवाद और वंशवाद नहीं होना चाहिए। सबका विकास हो और यही विकसित भारत की संकल्पना का आधार है। योगी ने कहा कि पूरे देश को पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा है। बुलंदशहर में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों के तहत राज्य के उथल-पुथल भरे अतीत पर अफसोस जताया और आरोप लगाया कि उन्होंने "दंगा नीति" अपनाई, जिससे बुलंदशहर में आतंक का राज कायम हो गया। वर्तमान स्थिति की तुलना पहले से करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोग आज नई सुरक्षा का आनंद ले रहे हैं, जबकि अपराधियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बुलंशहर का अस्तित्व महाभारत काल से खोजा जा सकता है। यह मां गंगा और मां यमुना के आशीर्वाद वाली भूमि है। लेकिन पिछली सरकारों की अपराधी समर्थक नीतियों ने इसे अपराध और आतंक की भूमि में बदल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी को हमने जमीनी धरातल पर उतरते देखा है, इसलिए पूरे देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि मोदी पर उंगली उठाने वाले भारत के विकास में अवरोधक हैं।

निर्वाचन आयोग ने अभद्र टिप्पणी पर दिलीप घोष-सुप्रिया श्रीनेत को फटकारा

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिए सोमवार को भाजपा नेता दिलीप घोष और कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को फटकार लगाई है। घोष ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और श्रीनेत ने अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। आयोग ने कहा कि वह आश्वस्त है कि दोनों नेताओं ने निम्न स्तर का व्यक्तिगत हमला किया और यह आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्हें आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। आयोग द्वारा सोमवार से इन दोनों नेताओं के चुनाव संबंधी संवाद पर विशेष और अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी। आयोग के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र में संवाद करते समय सावधानी बरतने और ऐसी किसी भी अपमानजनक टिप्पणी और आचार संहिता के दिशानिर्देशों के उल्लंघन से बचने के लिए अपने पदाधिकारियों को संवेदनशील बनाने के वास्ते चेतावनी नोटिस की एक प्रति उनके संबंधित पार्टी प्रमुखों को भी भेजी जा रही है।

चुनाव आयोग ही लगा सकता है भविष्य में ईडी सीबीआई और आईटी पर लगाम : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग ही भाजपा सरकार द्वारा ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई और आईटी (आयकर विभाग) के दुरुपयोग पर लगाम लगा सकता है और जब लोकतंत्र बचेगा तभी आयोग की गरिमा और प्रतिष्ठा भी बची रहेगी। अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अंग्रेजी में ईडी, सीबीआई और आईटी के शुरूआती अक्षरों को जोड़ते हुए ईसीआई यानी 'इलेक्शन कमीशन आफ इंडिया' (भारत निर्वाचन आयोग) का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जिस तरह ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के आगे के पहले अक्षरों को मिलाकर ईसीआई बनता है वो दरअसल इस बात का सकारात्मक इशारा है कि इलेक्शन कमीशन आफ इंडिया ही उम्मीद की वो किरण है जो भाजपा सरकार द्वारा ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के दुरुपयोग पर आगे से लगाम लगा सकता है। उन्होंने कहा, आज से हम 2024 के शुरूआती चुनावी महीने में प्रवेश कर रहे हैं। आशा है चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी निभाते हुए बेलगाम-बेईमान सरकारी तंत्र को सक्रिय नहीं होने देगा और हमेशा की तरह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए ढाल बनेगा। जब लोकतंत्र बचेगा तभी चुनाव आयोग की गरिमा और प्रतिष्ठा भी बची-बनी रहेगी।

मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण जी चव्हाण ने बताया कि जिले के किस्टाराम पुलिस थाना क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि किस्टाराम थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन (कोबरा- सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई) के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था।

आयकर विभाग का जो नियम कांग्रेस पर लागू हुआ, वह भाजपा पर क्यों नहीं होता- प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने पार्टी को आयकर विभाग की ओर से 3500 करोड़ रुपये से अधिक के जुर्माने का नोटिस मिलने का हवाला देते हुए सोमवार को दावा किया कि नियमों के उल्लंघन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि उस पर 4,600 करोड़ रुपये का जुमार्ना बनता है। उन्होंने यह सवाल किया कि जो नियम कांग्रेस पर लागू किया जा रहा है वही नियम भाजपा पर क्यों लागू नहीं होता? लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को आयकर विभाग से एक बार फिर नया नोटिस मिला है, जिसके जरिये आकलन वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक के लिए 1,745 करोड़ रुपये के कर की मांग की गई है। आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस से अब तक कुल 3,567 करोड़ रुपये के कर की मांग की जा चुकी है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस पर 3,567 करोड़ का जुर्मानी क्यों? कांग्रेस पर आरोप है कि 1994-95 में, फिर 2014-15 और 2016-17 में पार्टी के खाते में नेताओं-कार्यकर्ताओं ने कुछ पैसे जमा कराए थे जिसकी एक-एक जानकारी पहले ही आयकर विभाग को साझा की जा चुकी थी। मगर सरकार कांग्रेस पर जानकारी न देने का मनमाना आरोप थोप रही है।

विपक्ष को खत्म करना चाहती है भाजपा : शिवपाल

बदायूं। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा पर विपक्ष को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि जब जनता शोषण और अन्याय के खिलाफ खड़ी हो जाती है तो उसे कोई नहीं रोक सकता। यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भाजपा विपक्ष को खत्म करना चाहती है और वह ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) व सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) का दुरुपयोग कर विपक्ष पर हमला कर रही है, लेकिन मैंने तो इतिहास देखा है। यह किसी को दबा नहीं सकते। उन्होंने कहा, जब जनता शोषण और अन्याय के खिलाफ खड़ी हो जाती है तो फिर कोई (सरकार से) नहीं डरता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार को मेरठ में एक चुनावी रैली में उनकी सरकार की ओर से भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के दावे पर यादव ने कहा, भाजपा को विपक्ष का हर नेता भ्रष्टाचारी ही दिखाई देता है लेकिन जब विपक्ष का कोई ऐसा नेता उसके साथ आता है तो वह बिल्कुल साफ-सुथरा हो जाता है। भाजपा पूरे देश में यही काम कर रही है। भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलनों के बारे में बदायूं लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी यादव ने कहा कि चुनाव की शुरूआत हो चुकी है तथा हर नेता अपनी-अपनी पार्टी का प्रचार करेगा।

शाहिद सिद्दीकी ने रालोद उपाध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने सोमवार को यह कहते हुए अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की कि संविधान और लोकतांत्रिक ढांचा खतरे में है तथा इस पर चुप रहना एक पाप है। सिद्दीकी ने यह कदम तब उठाया है जब रालोद कुछ दिन पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल चुकी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ''एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कल, मैंने राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) की सदस्यता और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सिंह को भेज दिया।

कांग्रेस ने चुनावी बॉण्ड संबंधी बयान को लेकर प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चुनावी बॉण्ड योजना पर की गई ताजा टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि बॉण्ड से जुड़े जो आंकड़े सामने आए हैं उनसे भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार के 'घोर भ्रष्टाचार' का खुलासा हुआ है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि योजना को इस तरह से तैयार किया गया था कि इसका पता ही नहीं चल सके कि राजनीतिक दलों के पास धन कहां से आया और इसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को इस सुझाव को खारिज कर दिया कि चुनावी बॉण्ड के मुद्दे से उनकी सरकार को झटका लगा है। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रणाली शत प्रतिशत सही नहीं है और किसी भी कमी को सुधारा जा सकता है। तमिल चैनल 'थांती टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग इस मामले पर जश्न मना रहे हैं, उन्हें पछताना पड़ेगा।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हर दिन प्रधानमंत्री पाखंड की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं और बेईमानी की और अधिक गहराई में उतरते जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया, "एक तमिल टेलीविजन चैनल को दिए गए अपने ताजा साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने देश से एक बार फिर बहुत बड़ा झूठ बोला है। उन्होंने कहा कि 'फंड कहां से आया है, उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा हैइ यह सिर्फ उनके द्वारा शुरू की गई चुनावी बॉण्ड योजना के कारण ही पता चल रहा है।" रमेश ने आरोप लगाया, "चुनावी बॉण्ड योजना को पूरी तरह से गुप्त रखने के लिए डिजाइन किया गया था। दूसरे शब्दों में, प्रधानमंत्री मोदी जनता से यह विवरण छिपाना चाहते थे कि राजनीतिक दलों के पास धन कहां से आया है, और उनका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अदालत में आखिरी दिन तक मोदी सरकार ने इस योजना की गोपनीयता का बचाव करने की कोशिश की।

मायावती से पहले आकाश आनंद नगीना से करेंगे चुनाव प्रचार का आगाज

लखनऊ। मायावती से पहले उनके भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर आकाश आनंद यूपी में चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। वह 6 अप्रैल को नगीना से अपनी चुनावी सभाओं की शुरूआत करेंगे। एक मई तक उनकी लगातार सभाओं का कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। उसके वह प्रदेश में 25 अधिक सभाएं करेंगे। वहीं, मायावती अपने प्रचार की शुरूआत 11 अप्रैल से नागपुर से करेंगी। उसके बाद लगातार यूपी में सभाएं करेंगी।

आकाश आनंद अभी तक यूपी से बाहर पार्टी संगठन का काम देखते रहे हैं। पिछले साल मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित चार राज्यों की कमान उनको सौंपी थी। उसके बाद उनको मायावती ने अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। तब से यह चर्चा थी कि लोकसभा चुनाव से वह यूपी में सक्रिय होंगे। अब पार्टी ने उनकी चुनावी सभाओं का कार्यक्रम तय कर लिया है। वह नगीना के बाद 7 अप्रैल को खुर्जा और बुलंदशहर में सभाएं करेंगे। वहीं 8 अप्रैल को बरेली, 11 अप्रैल को मथुरा और आगरा में उनकी सभा होगी। वह 12 अप्रैल को दक्षिण भारत जाएंगे। वहां से लौटकर 13 अप्रैल को अलीगढ़ और हाथरस, 17 अप्रैल को सहारनपुर में सभा करेंगे। मायावती 11 अप्रैल को नागपुर में सभा करेंगी। उसके बाद वहां से लौटकर 12 अप्रैल से यूपी में अपनी सभाएं करेंगी। वह यूपी में करीब 40 सभाएं करेंगी। इसके अलावा कुछ अन्य राज्यों में एक-एक सभाएं करेंगी।

सच की हुई जीत पत्रकारों को मिला न्याय

पत्रकारों से दुर्व्यवहार करने वाले एडीसीपी हटाये गये

ममता रानी को चार्ज

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पत्रकारों और दर्शनार्थियों से अभद्रता करने वाले एडीसीपी वीरेंद्र कुमार पर कार्रवाई की गाज गिरी है। पीपीएस अफसर वीरेंद्र कुमार को कमिश्नरेट मुख्यालय से सबद्ध कर दिया है। अपर आयुक्त महिला अपराध ममता रानी चौधरी को काशी विश्वनाथ मंदिर में सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

उधर, पत्रकारों से दुर्व्यवहार के बाद एडीसीपी वीरेंद्र कुमार बीमारी का हवाला देकर गैरहाजिर भी चल रहे हैं। हालांकि कमिश्नरेट पुलिस ने उसकी गैरहाजिरी पर प्रारंभिक जांच फाइल खोल दी है। जांच के बाद उन पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस सूत्रों की माने तो आरोपी अधिकारी पर निलंबन की तलवार लटकी है। वहीं काशी विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा अधिकारी के गायब होने के प्रमुख पुलिस अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

पत्रकार प्रेस क्लब के सम्मानित साथियों एक तरफ जहा इंडिया न्यूज के जिला संवाददाता एवं पत्रकार प्रेस क्लब के जिला संयोजक पंकज चतुवेर्दी के साथ दुर्व्यवहार करने के मामले में अपर पुलिस उपायुक्त काशी विश्वनाथ वीरेंद्र कुमार को हटाकर मुख्यालय कमिश्नरेट वाराणसी से संबद्ध कर दिया गया है, तो वही दैनिक परफेक्ट मिशन के कार्यकारी संपादक एवं पत्रकार प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक के प्रकरण में

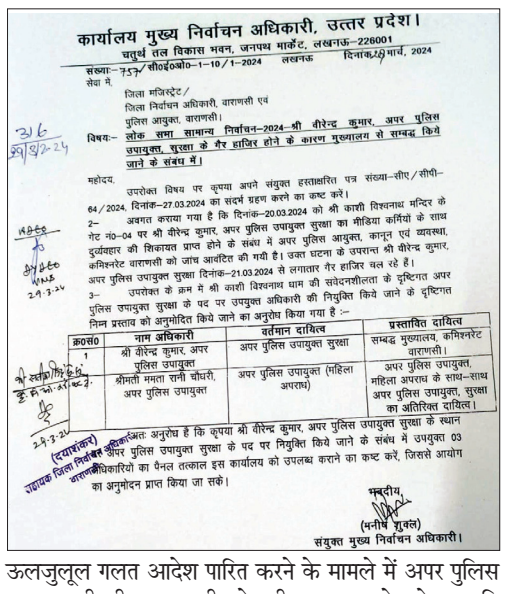

कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
चतुर्थ तल विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ–226001
संख्या–757/सी0ई0ओ0–1–10/1–2024 लखनऊ दिनांक: 29 मार्च, 2024

सेवा में,
जिला मजिस्ट्रेट/
जिला निर्वाचन अधिकारी, वाराणसी एवं
पुलिस आयुक्त, वाराणसी।

विषयः– लोक सभा सामान्य निर्वाचन–2024–श्री वीरेन्द्र कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त, सुरक्षा के गैर हाजिर होने के कारण मुख्यालय से सम्बद्ध किये जाने के संबंध में।

महोदय,
उपरोक्त विषय पर कृपया अपने संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र संख्या–सीए/सीपी–64/2024, दिनांक–27.03.2024 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।
2– अवगत कराया गया है कि दिनांक–20.03.2024 को श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर के गेट नं0–04 पर श्री वीरेन्द्र कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा का मीडिया कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत प्राप्त होने के संबंध में अपर पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था, कमिश्नरेट वाराणसी को जांच आवंटित की गयी है। उक्त घटना के उपरान्त श्री वीरेन्द्र कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा दिनांक–21.03.2024 से लगातार गैर हाजिर चल रहे हैं।
3– उपरोक्त के क्रम में श्री काशी विश्वनाथ धाम की संवेदनशीलता के दृष्टिगत अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा के पद पर उपयुक्त अधिकारी की नियुक्ति किये जाने के दृष्टिगत निम्न प्रस्ताव को अनुमोदित किये जाने का अनुरोध किया गया है :–

क्रमांक	नाम अधिकारी	वर्तमान दायित्व	प्रस्तावित दायित्व
1	श्री वीरेन्द्र कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त	अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा	सम्बद्ध मुख्यालय कमिश्नरेट वाराणसी।
	श्रीमती ममता रानी चौधरी, अपर पुलिस उपायुक्त	अपर पुलिस उपायुक्त (महिला अपराध)	अपर पुलिस उपायुक्त, महिला अपराध के साथ–साथ अपर पुलिस उपायुक्त, सुरक्षा का अतिरिक्त दायित्व।

अतः अनुरोध है कि कृपया श्री वीरेन्द्र कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा के स्थान अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा के पद पर नियुक्ति किये जाने के संबंध में उपयुक्त 03 अधिकारियों का पैनल तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें, जिससे आयोग का अनुमोदन प्राप्त किया जा सके।

भवदीय,
(मनीष शुक्ल)
संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी।

ऊलजुलूल गलत आदेश पारित करने के मामले में अपर पुलिस उपायुक्त श्रीमती ममता रानी को भी चुनाव आयोग से अनुमति लेकर शासन ने अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया है। इस तरीके से पत्रकार प्रेस क्लब को दोहरी जीत हुई है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में 30 मार्च को निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा इंतजामों की पड़ताल की थी। काशी विश्वनाथ मंदिर में 30 मार्च को निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा इंतजामों की पड़ताल की थी।

बता दें कि 20 मार्च को रंगभरी एकादशी के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का प्रवेश हो रहा था। ढुंढीराज गेट पर तैनात अपर सुरक्षा आयुक्त वीरेंद्र कुमार ने पहले दर्शनार्थियों से अभद्रता की। सिपाहियों के जरिए धक्के देकर उन्हें बाहर निकाल दिया। इसके बाद कवरेज के लिए बुलाए गए पत्रकारों से भी दुर्व्यवहार किया। उनके साथ धक्का-मुक्की करते हुए मोबाइल, कैमरा और माइक छीन लिया मामले की शिकायत के बाद जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर ने मामले की जांच एडीशनल पुलिस कमिश्नर एस. चिनप्पा को सौंपी। जांच अधिकारी ने काशी विश्वनाथ मंदिर जाकर निरीक्षण किया और संबंधित गेट के सीसीटीवी फुटेज निकाले। मंदिर परिसर में डयूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों से भी जानकारी ली। इसके अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से भी इस बाबत सवाल किए। साक्ष्य जुटाने के बाद एसीपी ने पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट सौंप दी। काशी विश्वनाथ मंदिर में पत्रकारों से अभ्रदता का मामला शासन स्तर तक गूंज उठा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर घटना की निंदा की थी, वहीं सरकार के अधिकारियों ने रिपोर्ट तलब की थी। डीएम और पुलिस कमिश्नर ने जांच के बाद मामले में चुनाव आयोग को पत्र लिखा। 27 को पत्र भेजकर आरोपी एडीसीपी को पदमुक्त करने की संस्तुति की और उनके स्थान पर तैनाती के लिए संभावित नाम भी भेजे।

श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन का नया रिकॉर्ड बना

रविवार को लगभग साढ़े छह लाख लोगों ने किया दर्शन

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में एक दिन में सर्वाधिक श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन का नया रिकॉर्ड बन गया। नॉन फेस्टिवल सीजन होते हुए भी रविवार 6.37 लाख श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, मार्च में सावन से भी ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि मार्च 2024 में 95.63 लाख श्रद्धालु आए हैं। इससे पहले अगस्त 2023 यानी सावन में 95.62 लाख श्रद्धालु आए थे। पिछले वर्ष मार्च में 37.1 लाख श्रद्धालु आ सके थे, लेकिन इस मार्च में यह संख्या दोगुने से भी ज्यादा हो गई। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2021 में विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण हुआ था। तब से हेड काउंटर कैमरा के जरिये श्रद्धालुओं की संख्या वैज्ञानिक पद्धति से निरंतर दर्ज की जा रही है।

करंट उतरने की घटना से मंदिर प्रशासन ने लिया सबक

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। श्री काशी विश्वनाथ धाम में आरती के दौरान रेलिंग में करंट उतरने की घटना से मंदिर प्रशासन ने सबक लिया है। जमीन से गुजरने वाले सारे तारों को हटवा दिया गया। धाम में लगने वाले कूलर और वाटर कूलर को बिजली सप्लाई करने वाले इंसुलेटेड वायर पर अब रबर की स्टील केसिंग वाले स्टील की पाइप लगाने की तैयारी है। दो दिनों के अंदर सारे तारों पर स्टील की पाइप लगा दी जाएगी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शनिवार को की स्टील बैरिकेडिंग में करंट उतरने से छह से अधिक श्रद्धालुओं को झटका लगा था। इसमें दो किशोरियों को गंभीर स्थिति में कबीरचौरा स्थित मंडलीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों किशोरियों को छोड़ दिया गया। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि करंट उतरने की घटना ने मंदिर प्रशासन को सावधान कर दिया।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में बंदरों के आतंक से श्रद्धालु परेशान

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। श्री काशी विश्वनाथ धाम में बंदरों के आतंक से श्रद्धालु परेशान हैं। पिछले सात महीनों के आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक 560 से अधिक श्रद्धालुओं को बंदर काट चुके हैं। धाम के आरोग्य केंद्र में रोज दो से तीन श्रद्धालुओं को बंदर काटने के बाद एआरवी लगाई जा रही है। ओडिशा की प्रियदर्शनी और कानपुर की शिवांगी को बंदरों ने काट लिया। दोनों महिलाओं को आरोग्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद एआरवी वैक्सीन लगाई गई। रोजाना किसी न किसी श्रद्धालु को बंदर काट रहे हैं। मंदिर प्रशासन ने इस मामले में वन विभाग को पत्र भी लिखा लेकिन अभी तक बंदरों को पकड़ने के कोई इंतजाम नहीं हो सका। ज्ञानवापी कूप और नंदी के आसपास जमा बंदरों का झुंड श्रद्धालुओं को काट लेते हैं। सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि आरोग्य मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में एआरवी का स्टॉक है। बंदर काटने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल प्राथमिक उपचार के साथ ही एआरवी लगा रही है। रोजाना दो से तीन लोगों को एआरवी लग रही है।

ललिता घाट, भैरव द्वार और मंदिर चौक पर शुरू हुआ प्याऊ

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। श्री काशी विश्वनाथ धाम में भीड़ और गर्मी को देखते हुए मंदिर प्रशासन की ओर से ललिता घाट, भैरव द्वार और मंदिर चौक पर अतिरिक्त शीतल जल प्याऊ का इंतजाम किया गया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि धूप और गर्मी से बचाव के लिए अगले 48 घंटों में जर्मन हैंगर और मिस्ट फैन इंस्टाल्ड कर लिया जाएगा। रविवार को 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए।

विश्वनाथ धाम परिसर में पीएचसी चलाने की तैयारी

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। काशी विश्वनाथ धाम परिसर में वेलनेस सेंटर को पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) की तर्ज पर चलाने की तैयारी है। यहां ईसीजी की सुविधा है, लेकिन अब खून की जांच, ब्लड प्रेशर और इमरजेंसी में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का उपयोग भी किया जाएगा। 2 बेड भी लगाए गए हैं। आने वाले दिनों में इसको बढ़ाकर चार तक किया जाएगा।

विश्वनाथ धाम में पिछले कुछ दिनों से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी है। औसतन हर दिन 3 से 4 लाख लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं। तेज धूप से श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मंदिर में स्वास्थ्य विभाग की ओर स हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर चलाया जा रहा है, जिसको आरोग्य मंदिर नाम दिया गया है। यहां प्राथमिक उपचार की व्यवस्था पहले से ही है। अब इसको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। सीएमओ ने बताया कि तीन जगहों पर विशेष स्वास्थ्य कैंप भी लगाया गया है। यहां मेडिकल ऑफिसर के साथ ही फार्मासिस्ट, वार्ड ब्वाय, स्टाफ नर्स, हेल्पर की डयूटी लगाई गई है। यहां सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक स्वास्थ्य टीम श्रद्धालुओं के जांच, इलाज में लगी है। इसमें चितरंजन पार्क, गंगा द्वार के पास और मंदिर के गेट के पास जगह तय कर 15 दिन तक विशेष कैंप चलेगा। यहां स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी के लिए एडिशनल सीएमओ स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है।

काशी विश्वनाथ धाम में चार दिन में दर्शन करने वाले 25 से श्रद्धालु बेहोश हो चुके हैं। धाम के आरोग्य मंदिर में प्राथमिक उपचार के बाद लोगों को मंडलीय अस्पताल रेफर किया जा रहा है। इस बीच हर दिन 10 से 12 लोग डिहाइड्रेशन के शिकार हो रहे हैं। सीएमओ का कहना है कि शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। साथ ही खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

वायरल ऑडियो की जांच के लिए टीम गठित

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। बिजली निगम में कथित 70 लाख के केबल घोटाले की जांच में पैसे के लेनदेन को लेकर एक महिला के साथ बातचीत के वायरल ऑडियो की जांच के लिए एक टीम बना दी गई है। इससे पहले मुख्य अभियंता स्तर पर गठित टीम घोटाले की जांच कर रही है। तीन महीने 70 लाख रुपये की अनियमितता को रफा-दफा करने के लिए साढ़े तीन लाख रुपये रिश्वत देने को लेकर कथित तौर पर बिजलीकर्मियों की बातचीत के तीन ऑडियो सुर्खियों में आए हैं। इसमें एक महिला की भी आवाज सुनी जा रही है। इसकी जानकारी मिलने के बाद मुख्य अभियंता वाराणसी परिक्षेत्र अरविंद सिंहल ने जांच के लिए टीम गठित कर दी। इसी बीच पूर्वांचल डिस्कॉम के एमडी शंभू कुमार के स्तर पर वायरल ऑडियो की जांच के लिए एक अन्य दो सदस्यीय जांच टीम गठित की गई है। यह टीम ऑडियो की सत्यता और बातचीत की जांच करेगी। पूर्वांचल डिस्कॉम के निदेशक पीएंडए आरके जैन ने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गेंहू की डेढ़ बीघा फसल जलकर राख

विद्युत तार के चिंगारी से हुआ हादसा

परिवर्तन दूत

मिर्जामुराद (सं.)। क्षेत्र के करधना गांव (मिजार्मुराद) स्थित पावर हाउस के ठीक सामने सोमवार की दोपहर खेत के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार में शार्ट सर्किट होने से नीचे गिरी चिंगारी से गेंहू की खड़ी फसल में आग लग गयी। ग्रामीणों द्वारा आग लगने की सूचना तत्कार करधना विद्युत उपकेन्द्र को दिया गया जिसके बाद लाइनमैन शिव कुमार व मीटर रीडर अमित पटेल ने तुरंत बिजली सप्लाई काटते हुए मौके पर पहुंच ग्रामीणों की मदद से आग बुझाने में लग गए लेकिन तबतक आग विकराल रूप ले चुका था ग्रामीणों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया। तबतक लगभग डेढ़ बीघा गेंहू की फसल जलकर राख हो गई थी। गर्मी शुरू होते ही पक रही किसानों

के गेंहू की फसल में बिजली के तारों से आग लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। वही बिजली के तारों से निकली रही चिंगारी किसानों की गाढ़ी कमाई को राख बना रही है।

ग्रामीणों ने आग लगने की सूचना खेत मालिक लक्ष्मी शंकर तिवारी को दिया।खेत पर पहुंचे लक्ष्मी शंकर तिवारी ने बताया कि फसल पककर कटाई के लिए तैयार हो गयी थी। खेत से गुजरे 11 हजार वोल्टेज हाईटेंशन बिजली के तार में शार्ट सर्किट होने पर निकली चिंगारी से पूरा फसल जलकर राख हो गया।वही सूचना पर पहुंचे करधना चौकी प्रभारी रोहित दूबे ने मौका मुआयना किया।

महिला अन्तरमहाविद्यालयीय नेटबाल का ट्रायल तीन को

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अन्तर्महाविद्यालयीय नेटबाल (महिला) का ट्रायल/प्रतियोगिता 03 अप्रैल, 2024 को दोपहर 12 बजे से विश्वविद्यालय के पं. जवाहर लाल नेहरू क्रीड़ांगन में अयोजित है। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों सहित विश्वविद्यालय परिसर, एन.टी.पी.सी., गंगापुर परिसर एवं भैरव तालाब परिसर के संस्थागत छात्राएं प्रतिभाग कर सकती हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि इच्छुक छात्रा अपने इलिजिबिलिटी प्रोफार्मा के साथ हाईस्कूल अंक पत्र व प्रमाण पत्र, इण्टरमीडिएट अंक पत्र व प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र, फीस रसीद, आधार कार्ड तथा कोविड-19 के टीकाकरण की छाया प्रति को प्रोफार्मा के साथ संलग्न करते हुए चार पासपोर्ट साईज फोटो के साथ नेटबाल प्रभारी कु. बीना से संपर्क कर सकती हैं।

अब तक टंकियों की सफाई पूरी नहीं

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। फरवरी में पानी की टंकियों की सफाई हो जाती थी, इस बार मार्च महीना बीतने को है। अब तक टंकियों की सफाई पूरी नहीं हुई। यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में जनता को दूषित पेयजल ही पीना पड़ सकता है। सबसे खराब हाल ग्राम पंचायतों को सौंपी गई टंकियों की है। नगर में भी पानी टंकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शुद्ध पानी मुहैया कराने को लेकर बरती जा रही लापरवाही से कई क्षेत्रों में दूषित पानी की वजह से बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गांव से लेकर नगर तक 87 ओवर हेड टैंक बनाए गए हैं।

ऋग्वेद संहिता पूर्ण, शुक्लयजुर्वेद स्वाहाकार प्रारम्भ

महायज्ञ से समाज में सामंजस्य एवं शुद्ध वातावरण का निर्माण होगा-प्रो बिहारी लाल

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। संवत्सराव्यापी चतुर्वेद स्वाहाकार विश्वकल्याण महायज्ञ के बीसवें दिवस ऋग्वेद संहिता का स्वाहाकार पूर्ण होने के पश्चात शुक्लयजुर्वेद का स्वाहाकार प्रारम्भ हुआ है। यज्ञ के आचार्य डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान में चारो ओर फैल रहे वायरल के प्रकोप को शांत करने हेतु शुक्लयजुर्वेद के अंतर्गत महामारी निवारण मन्त्रों का विशेष रूप से प्रयोग किया गया साथ ही सामवेद एवं अथर्ववेद के भी कतिपय मन्त्रों के द्वारा आहुति दी गई। वेद विभागीय शोध छात्र आदर्श मिश्र ने सपत्नीक यजमान के दायित्वों का निर्वहन किया। इसके पूर्व वाराणसी एवं अन्य जनपदों से भी जनमानस

12 मार्च 2024 से निरन्तर चल रहे महायज्ञ में सहभाग कर चुके हैं। कुलपति प्रो. बिहारीलाल शर्मा ने यज्ञ के निर्विघ्नता से संचालन करने के लिए वेद विभागीय आचार्यों एवं छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इस यज्ञ के प्रभाव से अवश्य ही समाज मे सामंजस्यता स्थापित होगी और सकारात्मक ऊर्जा का संचरण एवं प्रदूषण मुक्त (शुद्ध वातावरण) वातावरण का निर्माण होगा। वेद विभागाध्यक्ष प्रो महेंद्र पाण्डेय ने बताया कि यह महायज्ञ वेद विभाग के अंतर्गत विश्वविद्यालय विकास समिति के सौजन्यता से यज्ञशाला में आयोजित किया जा रहा है। इस महायज्ञ के माध्यम से वेद विभाग के विद्यार्थियों को प्रायोगिक ज्ञान भी प्राप्त हो रहा है। इसमे विज्ञान का रहस्य भी निहित है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. महेन्द्र पाण्डेय, डॉ. सत्येन्द्र यादव, अनूप कुमार, गोकुल, आस्तिक द्विवेदी, शिवांश आदि अनेक छात्र उपस्थित रहे।

र से राम, र से राजनीति

परिवर्तन दूत

22 जनवरी, ये दिन बहुत ही खास बन चुका है। इस दिन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई। हालांकि धर्म के विषय में बोलने पे या तो आपको भगवान बना दिया जाएगा या आपकी जान को ही खतरा हो जाएगा और धर्म या मजहब लोगों का निजी मामला है, इसपर सार्वजनिक टिप्पणी करना सही नहीं। लेकिन जब आप एक ऐसे देश में रह रहें हों जहाँ लोकतंत्र हो और वही लोकतंत्र जब धर्मतंत्र में परिवर्तित होने लगे तो सवाल उठाना लाजमी है। इस देश का माहौल देख कर एक कविता की पंक्ति याद आती है- 'मंदिर मस्जिद गिरजा-घर ने, बाँट लिया इंसान को, धरती बाँटी सागर बाँटा, मत बाँटो इंसान को'। धर्म-धर्म की लड़ाई में जब इंसान ही सारे मर जाएंगे तो श्री राम, अल्लाह, गुरुनानक और इसु की सेवा कौन करेगा? किसी अतिआवश्यक चीज की भी जब अति हो जाती है तो वो हानिकारक साबित होती है, हालांकि धर्म इंसान को इंसान बनाता है लेकिन जब इंसान ही धर्म को व्यापार बनाने पे तुल जाए तो समाज सर्वनाश की ओर अग्रसर होने लगता है। जिस भारतवर्ष में लोग राम-राम करके दिन की शुरूआत करते हैं, कुछ नासमझों ने उसी पावन शब्द "राम" का इस्तेमाल करते हुए हत्या को अंजाम दिया। मार्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने अपने जीवन मे कई सारी परेशानियों का सामना बड़ी ही सहजता के साथ किया तभी राम श्री राम बने। आज के नौजवान श्री राम की बात तो करते हैं लेकिन उनके गुणों को अपनाने से कतराते हैं और वो कभी अपना भी नहीं पाएंगे। जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज जी ने एक बहुत अच्छी बात कही थी - 'मन हरि में तन जगत में, कर्मयोग तेहि जान, तन हरि में मन जगत में, यह महान अज्ञानी' इसका मतलब है कि जिसका मन सदा श्यामसुंदर में ही अनुरक्त रहे, एवं शरीर से संसार का कार्य करे, वह कर्मयोग है। किंतु जिसका मन संसार मे अनुरक्त रहे, एवं शरीर से भगवद्भक्ति करे, वह पराकाष्ठा का मूर्ख है। फैसला आपको करना है कि आप मूर्ख की श्रेणी में आते हैं या भक्त की!! देश की गरीबी, बेरोजगारी, लोगों के बीच पैदा हो रहे तनाव, और इन समस्याओं की जड़ों में मजबूती ये सब हमारी आँखों के सामने हो रहा है। क्या आपको ऐसा लगता है कि राम राज्य में ये स्थिति कभी रही होगी ? वेस्टर्न पोलिटिकल फिलोसोफी के एक जाने माने दार्शनिक निकोलो मैकियावेली के अनुसार 'धर्म को राजकुमार का उपयोग नहीं करना चाहिए लेकिन राजकुमार को राष्ट्रीय हित के लिए धर्म का उपयोग करने की स्थिति में होना चाहिए', आज ये एक संवैधानिक देश में देखने को मिल रहा है लेकिन राष्ट्रीय हित के लिए नहीं, बल्कि कुछ गिने चुने वर्गो के हित के लिए।

फिलोसोफिकल बातें आमतौर पर उबाऊ होती है लेकिन सच्चाई से लोगों को अवगत कराने का काम भी करती है। लोगों की आस्था से खिलवाड़ हो रहा है लेकिन इस कदर कि उन्हें ये प्रतीत ही नहीं हो रहा है, जय हिंद या जय हिंद की सेना के नारे लोग अक्सर लागते रहते हैं, हांलाकि उसी हिंद की सेना को अफसोस होता होगा जब वो ये देखती होगी कि जिन देशवासियों के लिए वे अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं, वही देशवासी देश के अंदर मार काट कर रहे हैं, धर्म की आढ़ में। मैं हर एक उस व्यक्ति से अनुरोध करता हूँ कि राम के नाम पर हो रहे व्यापार और जो लोग भी आज राम के नाम पे वोट माँगते हैं या फिर अपना घर चलाते हैं, कृपया करके ऐसा होने से रोकें, ये काम सिर्फ और सिर्फ समाज में रह रहे लोग ही कर सकते हैं। समय अभी भी है वर्ना वो वक़्त दूर नहीं जब आपके पास सिर्फ भगवान से प्रार्थना करने के अलावा कुछ नहीं रहेगा। अभी तो जनता के हाथों में ताकत है, ना जाने कब ये चली जाए क्योंकि परिवर्तन संसार का नियम हैं जो ठहरा। समझदार उसको इशारा काफी और नासमझ को न दोबारा काफी न तिबारा काफी। अंत में सलमान जफर की एक मशहूर पंक्ति के साथ कलम को विराम देता हूँ- 'सख्ती थोड़ी लाजिम है पत्थर होना ठीक नहीं, हिन्दू मुस्लिम ठीक है साहब, कट्टर होना ठीक नहीं'।

विदित काशीवासी
छात्र, राजनीतिक शास्त्र, दिल्ली विवि

कॉन्क्लेव में डॉक्टरों ने चर्चा की

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। गठिया की बीमारी पर वाराणसी रूमेटोलॉजी फोरम की ओर से कॉन्क्लेव में डॉक्टरों ने चर्चा की। मुख्य अतिथि प्रो. एएन मालवीय ने कहा कि वर्तमान में खराब जीवन शैली के कारण ढेर सारी बीमारियां हो रही हैं। घुटना भी इसी वजह से खराब हो रहा है। छावनी स्थित एक होटल में आयोजित संगोष्ठी में प्रो. मालवीय ने कहा, गठिया की जल्दी पहचान से होने से जोड़ों में विकार को कम किया जा सकता है। आयोजन सचिव डॉ. ईशान ने बताया कि नई दवाओं से गठिया का इलाज आसान हो गया है। प्रो. केके त्रिपाठी ने कारण और बचाव के उपाय बताए। इस दौरान डॉ. मनस्वी चौबे, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. दीपक गौतम मौजूद रहे।

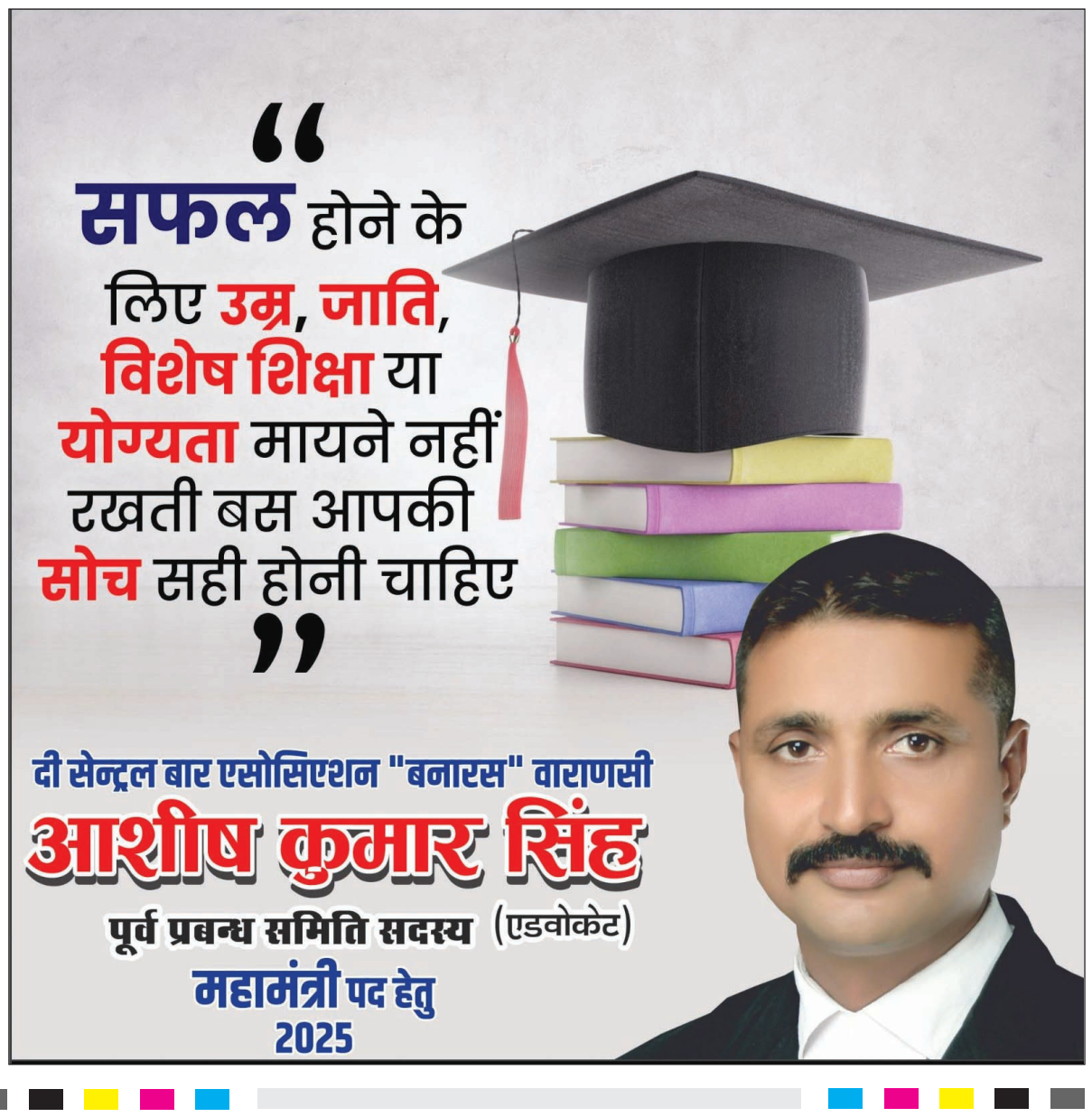

ज्ञानवापी : व्यासजी तहखाने में जारी रहेगी पूजा

पूजा पर रोक लगाने की याचिका पर सीजेआई का आदेश

मुस्लिम पक्ष बोला-हमें बेदखल किया जा रहा

परिवर्तन दूत

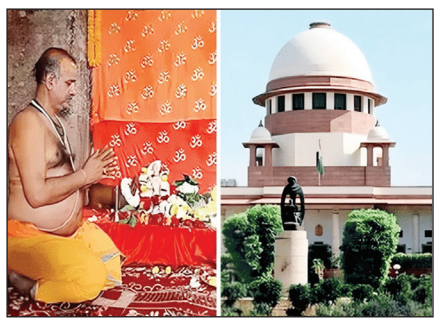

वाराणसी (सं.)। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के व्यास तहखाने में पूजा के खिलाफ मस्जिद कमेटी की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में वाराणसी जिला कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें हिंदुओं को ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने 'व्यास तहखाना' के अंदर देवताओं की पूजा करने की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी दक्षिणी तहखाने में हिंदू पक्ष के पूजा करने की यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 17 और 31 जनवरी (तहखाना के अंदर पूजा की अनुमति) के आदेशों के बाद मुस्लिम पक्ष ज्ञानवापी मस्जिद में बिना किसी बाधा के नमाज पढ़ रहा है। हिंदू पुजारी पूजा कर रहे हैं। इसलिए, तहखाना क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखना उचित है, ताकि दोनों समुदाय पूजा कर सकें।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में हिंदुओं को पूजा-पाठ की अनुमति देने के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन की याचिका पर काशी विश्वनाथ मंदिर के ट्रस्टियों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने काशी विश्वनाथ मंदिर के ट्रस्टियों और अन्य से 30 अप्रैल तक जवाब मांगा है।

वकील अहमदी ने कहा- हां, पूजा हो रही है। उन्होंने जगह पर कब्जा कर लिया है। अंतरिम आदेश से प्रभावी रूप से 1993 यानी 30 साल पहले की यथास्थिति बहाल हो गई है। राज्य सरकार जो मामले में पक्षकार भी नहीं है, रात के अंधेरे में आदेश लागू करती है। आदेश की रात पूजा की जाती है। जिसमें मुस्लिम पक्ष को रहने से रोका गया। यह ट्रायल कोर्ट और फिर एचसी द्वारा पारित एक असाधारण मामला है। आदेश का प्रभाव अंतरिम चरण में अंतिम राहत देना है। कृपया कोर्ट संज्ञान ले।

उच्च न्यायालय के 26 फरवरी को अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति की याचिका खारिज करते हुए व्यास तहखाने में हिंदू पक्ष की पूजा को जारी रखने का आदेश दिया था। वाराणसी जिला अदालत ने भी इस मामले में हिंदुओं के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसके खिलाफ ही मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट पहुंचा था। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि पूजा स्थल अधिनियम-1991 में इलाहाबाद हाई कोर्ट का हस्तक्षेप ठीक नहीं है।

साल 1991 में याचिकाकर्ता स्थानीय पुजारियों ने वाराणसी कोर्ट में एक याचिका दायर की। इस याचिका में याचिकाकताओं ने ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में पूजा करने की अनुमति मांगी थी। इस याचिका में कहा गया कि 16वीं सदी में औरंगजेब के आदेश पर काशी विश्वनाथ मंदिर के एक हिस्से को तोड़कर वहां मस्जिद बनवाई गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करते हुए व्यास तहखाने में हिंदू पक्ष की पूजा को जारी रखने का आदेश दिया है।

आदेश पर काशी के संत समाज में हर्ष

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। ज्ञानवापी परिसर में पूजा-पाठ जारी रहने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर काशी के संत समाज में हर्ष का माहौल है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने खुशी जताई है। साथ ही सुप्रीमकोर्ट को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी के तलगृह में भोग-आरती और पांचों पहर के पूजन पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया है। इसके लिए अखिल भारतीय संत समिति सुप्रीम कोर्ट को बधाई देती है। यह सिद्ध हो गया है कि आज नहीं तो कल जहां सत्य होगा, वहीं विजय होगी। बाबा विश्वनाथ के पूजन में कोई भी कानून बाधा नहीं बन सकता। बता दें कि इससे पहले ज्ञानवापी परिसर में सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए सब कुछ यथास्थिति बने रहने के निर्देश दिए थे। कोर्ट के मुताबिक, ज्ञानवापी में पूजा और नमाज दोनों जारी रहेगा।

डाफी टोल प्लाजा पर वाहनों का चार्ज बढ़ा

अब 80 नहीं,120 रुपये देने होंगे

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। डाफी टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहन का टोल टैक्स सोमवार से बढ़ गया। चार्ज में लगभग डेढ़ गुना की वृद्धि की गई है। कार-जीप व हल्के वाहनों का चार्ज 80 की बजाय 120 रुपये देना होगा। वहीं मासिक पास 2690 रुपये में बनेगा। टोल प्लाजा के गुजरने वाली मिनी बस सहित हल्के लाइट मोटर वाहनों का 130 से बढ़कर 195 रुपये टोल टैक्स हो गया है। मासिक पास 4345 रुपये में बनेगा। दो धुरी ट्रक व बस का अब 275 रुपये की जगह 410 रुपये टैक्स देना होगा। मासिक पास 9100 रुपये में बनेगा। एमबीएचसीएस वाहनों का 430 की जगह 640 रुपये टैक्स देना होगा। मासिक पास 14270 रुपये में बनेगा। बृहदकर वाहनों का 520 की जगह अब 780 रुपये टैक्स देना होगा। मासिक पास 17375 रुपये में बनेगा। वाहन चालकों से बड़े दर से वसूली शुरू कर दी गई है, जबकि बिना फास्ट टैग लेने से गुजरने वाले वाहन स्वामियों से जस्ट दोगुना वसूली किया जा रहा है। इसको लेकर टोल के कर्मचारी और गाड़ी चालकों में नोकझोंक भी होती रही। टोल प्लाजा के मैनेजर ने बताया कि बड़े दर से वाहन चालकों से वसूली शुरू कर दी गई है। किसी प्रकार का कोई दिक्कत अभी तक नहीं हुआ है।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024

वोट डालने जाना है
अपना फर्ज निभाना है

1 जून 2024 को अपना अमूल्य मत अवश्य दें।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, वाराणसी

जिलाधिकारी, वाराणसी

स्कूटी सवार शिक्षिका को ट्रैक्टर ने रौंदा

आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के सारनाथ- मुनारी मार्ग पर सरैयां नं 2 को-ऑपरेटिव के पास सोमवार की सुबह स्कूटी स्वर शिक्षिका की ट्रैक्टर के धक्के से मौत हो गयी थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गयी। पुलिस ने शिक्षिका के परिजनों को भी सूचित किया है।

कल्याणपुर (छांही) सारनाथ निवासी शिक्षिका अंजली पाण्डेय (24 वर्ष) पत्नी शिवम पाण्डेय स्कूटी से मंगरहुआ चौबेपुर स्थित एक निजी विद्यालय में पढ़ाने के लिए जा रही थी। सरैयां नं 2 को-ऑपरेटिव के सामने पहुंचने पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने जोरदार धक्का मार दिया। जिससे स्कूटी सवार शिक्षिका सड़क पर गिर गयी। इस दौरान गिरते ही ट्रैक्टर का अगला पहिया उसके सिर पर चढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची चौबेपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गयी।मृत शिक्षिका को एक पांच वर्ष का पुत्र आयुष है। मृतक का पति शिवम घर पर ही खेतीबारी का कार्य करता है। घटना के सम्बंध में मृतक शिक्षिका के ससुर भृगुनाथ पाण्डेय ने चौबेपुर थाने पर लिखित तहरीर दी है। आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सारनाथ मुनारी मार्ग जाम कर दिया था। नायब तहसीलदार जाल्हूपुर सुलेखा वर्मा ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया।

रहस्यमय परिस्थिति में युवक की मौत

मिर्जामुराद (परिवर्तन दूत)। क्षेत्र के पूरे गांव (मिर्जामुराद) में सोमवार की सुबह रहस्यमय परिस्थिति में प्रभु पटेल पुत्र मोतीलाल पटेल उम्र (22) वर्ष की मौत हो गई।ग्रामीणों में चर्चा के अनुसार युवक काफी दिनों से बीमारी से परेशान हो फांसी लगाकर अपनी जान दे दिया।युवक के मौत की सूचना पर फोर्स के साथ पहुचे मिजार्मुराद थाने के एसआई अमरीश राय ने परिजनों से बातचीत किया तो परिजनों का कहना रहा कि युवक काफी दिनों से बीमार चल रहा था और अभी कुछ दिन पहले युवक ने बवासीर का ऑपरेशन करवाया था जिसके कारण युवक की मौत हो गई।पुलिस ने मौके मुआयना करने के बाद शव परिजनों को सौप दिया।इस बावत एसआई अमरीश राय ने बताया कि फांसी की सूचना मिली थी लेकिन परिजनों ने बताया की बीमारी से मौत हुई फाँसी की बात गलत थी। मृतक दो भाइयो में छोटा था और घर पर रहकर खेती करता था।

बीएचयू : छात्र से दुष्कर्म की कोशिश का मामला

जांच के बाद दो पर मुकदमा

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राजाराम हॉस्टल में दलित छात्र को बंधक बनाकर मारपीट और अश्लीलता के मामले में दो लोगों पर मकदमे की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने एमपीएमआईआर के छात्र व एक अन्य के खिलाफ दुष्कर्म का प्रयास व मारपीट सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। छात्र की शिकायत के बाद लंका थाने की पुलिस हॉस्टल पहुंची, सीसीटीवी फुटेज की जांच करने के बाद एफआईआर दर्ज की हैं।

बीएचयू के मास्टर ऑफ पर्सनेल मैनेजमेंट एंड इंडस्ट्रियल रिलेशंस (एमपीएमआईआर) के छात्र आशुतोष सिंह सिसौदिया और एक अज्ञात के खिलाफ अप्राकृतिक दुष्कर्म का प्रयास व मारपीट सहित अन्य आरोपों और एससी-एसटी एक्ट के तहत लंका थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

बीएचयू के राजाराम हॉस्टल में रहने वाले एमए फाइनल ईयर के छात्र ने एमपीएमआईआर के छात्र पर अप्राकृतिक दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। छात्र की शिकायत पर विश्वविद्यालय के प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने कानूनी कार्रवाई के लिए उसका प्रार्थना पत्र लंका थाने भेजा। जिसके बाद पुलिस प्रकरण की जांच कर मुकदमे की कार्रवाई की है। छात्र ने कहा था कि अगर प्रभावी तरीके से कार्रवाई नहीं हुई तो वह बीएचयू कैंपस छोड़ देगा। जिसके बाद पुलिस की टीम हास्टल पहुंची और वहां सीसीटीवी कैमरे को चेक किया। इस संबंध में लंका थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्र ने बताया कि पीड़ित छात्र की तहरीर के आधार पर प्रारंभिक जांच कर मुकदमा दर्ज किया गया है। विवेचना में सामने आए तथ्यों और साक्ष्य के आधार पर प्रकरण में प्रभावी तरीके से कार्रवाई की जाएगी।

ओपी राजभर ने अब्बास को अपने पार्टी का विधायक मानने से किया इनकार

मुख्तार पर टिप्पणी से किया किनारा

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। वाराणसी (सं.)। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को मुख्तार पर दिए बयान से यू-टर्न ले लिया। ओपी राजभर ने फिर मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को अपनी पार्टी का विधायक मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने प्रत्याशियों को हमारे सिंबल पर चुनाव लड़ाया था। इसमें से एक अब्बास अंसारी हैं, हमने तो उन्हें सिंबल दिया था। सच्चाई तो यह है कि अब्बास सपा के विधायक हैं। हमारे प्रत्याशी को भी सपा ने अपने सिंबल पर चुनाव लड़ाया जो अब उनके पाले में हैं।

सोमवार को बनारस पहुंचे ओपी राजभर मुख्तार अंसारी पर टिप्पणी से बचते नजर आए। अर्दली बाजार स्थित मदरसे के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी ऐतिहासिक मतों से जिताकर प्रधानमंत्री बनाएगा। वाराणसी में पीएम मोदी की जीत देश की सबसे बड़ी जीत होगी। विपक्षी दल नफरत की राजनीति को समाप्त करके हम लोग भाईचारा को आगे बढ़ा रहे है। 2024 में उनका सफाया हो जाएगा। अपने लोगों को हमारे सिंबल पर लड़ाकर अखिलेश यादव ने हमें धोखा दिया है। गठबंधन का धर्म नहीं निभाया। पुलिस की भर्ती होगी तो अखिलेश यादव मौके पर अपने समाज यादव को मजबूत करेंगे और वोट मुसलमान का लेंगे। पल्लवी पटेल के पीडीएम न्याय मोर्चा पर ओम प्रकाश राजभर ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि एनडीए के आगे कोई मोर्चा टिक नहीं पा रहा है।

बाइक-कार की टक्कर में बाइक सवार की मौत

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। सोमवार को कछवा थाना क्षेत्र के बंधवा गोधना के पास बाइक सवार और कार में जोरदार टक्कर जिसमे बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई । अवधेश पटेल (मृतक) पिता स्वर्गीय रामचंद्र पटेल जमुआ बाजार निवासी किसी काम से अपने बाइक से कछवा बाजार जा रहा था इसी बीच कछवा की तरफ से आ रही कार में जोरदार टक्कर हो गई जिसमे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई वही कार सवार भाग खड़े हुए। वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कार सवार लोगो के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया।

शराब की दुकान के खिलाफ महिलाओं का विरोध प्रदर्शन

परिवर्तन दूत

वाराणसी(सं.)। चिरईगांव क्षेत्र के उकथी गांव में अंग्रेजी शराब की दुकान खोले जाने के विरोध में महिलाएं लामबंद हो गई हैं। महिलाओं ने इसको लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की। वहीं दुकान खोले जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। महिलाओं का कहना था कि जब दुकान किसी अन्य ग्रामपंचायत के लिए आवंटित है, तो उसे उकथी में खोले जाने का क्या औचित्य है। गांव में शराब की दुकान खुलने से माहौल खराब होगा। युवाओं में नशे की लत बढ़ेगी। चेताया कि किसी भी कीमत में गांव में शराब की दुकान नहीं खोलने दी जाएगी।

इस बाबत जिला आबकारी अधिकारी वाराणसी करुणेंद्र का कहना है कि जाल्हूपुर के लिए आवंटित विदेशी मंदिरा का अनुज्ञापी परिवर्तित हुआ है। जिस गांव के लिए दुकान आवंटित है, उसी गांव में चौहद्दी की जांच के बाद खोली जाएगी। अन्यंत्र गांव में दुकान नहीं खोली जानी है। प्रदर्शन में मुन्नी, उषा,जगना, उषा गुप्ता भागीरथी, अतवारी, नीलम, राधिका आदि शामिल रहीं।

विवाहिता की पिटाई, पति समेत दो पर मुकदमा दर्ज

मिर्जामुराद (परिवर्तन दूत)। कंसरायपुर (अरका) गांव में पति ने पत्नी राजकुमारी की पिटाई कर दी।पत्नी की तहरीर पर रविवार की रात पुलिस ने पति दीपक राजभर व उसकी भाभी शीला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बड़ागांव थानांतर्गत पतेर गांव निवासी राधेश्याम के पुत्री राजकुमारी की शादी वर्ष 2003 में मिर्जामुराद के कंसरायपुर गांव निवासी दीपक राजभर संग हुई। शादी के बाद दो बच्चे भी हुए हैं। विवाहिता का आरोप हैं कि पति बेवजह मारता-पीटता रहता हैं। पति की भाभी भी मारती हैं। पति पर अवैध संबन्ध का भी आरोप लगायी हैं।

कोतवाली पुलिस ने तीन शातिरों को दबोचा

ई-रिक्शा से गायब करते थे बैटरी, सवा लाख की बैटरी भी बरामद

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। कमिश्नरेट के कोतवाली थाने की पुलिस ने ई-रिक्शा से बैटरी चुराने वाले 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके पास से चोरी की 8 बैटरी भी बरामद की है। डीसीपी काशी जोन प्रमोद कुमार व डीसीपी क्राइम चंद्रकांत मीणा ने संयुक्त रूप से इस घटना का सोमवार को खुलासा किया। पुलिस द्वारा बरामद बैटरी की कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है।

डीसीपी प्रमोद कुमार ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि ई-रिक्शा के भीतर से बैटरी चोरी की काफी शिकायतें आ रहीं थी। जिसके बाद पुलिस ने काफी सक्रियता दिखाते हुए तीन आरोपियों को नवापुरा स्थित पातालपुरी मठ के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस इनके खिलाफ चोरी व सम्बंधित धाराओं में कार्यवाही कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्त आशीष कुमार (20 वर्ष) सारनाथ थाना क्षेत्र के रसूलगढ़, अंकित मिश्रा (28 वर्ष) गाजीपुर जनपद के बहरिया थाना अंतर्गत रायपुर व विकास जायसवाल (26 वर्ष) सारनाथ थाना क्षेत्र के रोपनपुर नटुई के रहने वाले हैं। पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह सभी पैसा कमाने के लिए चोरियां करते हैं। शहर के गलियों में व ऐसे स्थानों पर जहां पब्लिक का आवागमन बहुत कम रहता है और उस स्थान पर टोटो खड़े रहते है।

बरेका के नाम जुड़ गई एक और उपलब्धि

वित्तीय वर्ष में 475 रेल इंजनों का निर्माण कर तोड़ा पुराना रिकार्ड

परिवर्तन दूत

वाराणसी(सं.)। बनारस रेल इंजन कारखाना ने एक बार फिर उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 460 रेल इंजनों के निर्माण लक्ष्य को पीछे छोड़ते हुए 475 रेल इंजनों का निर्माण कर पुराना रिकार्ड तोड़ दिया और एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि किसी भी एक वित्तीय वर्ष में उच्चतम और अद्वितीय लोको उत्पादन का कीर्तिमान है। जिसमें बरेका ने भारतीय रेलवे के लिए 470 विद्युत रेल इंजन और 5 डीजल रेल इंजनों का निर्माण भारतीय घरेलू ग्राहकों के लिए किया है। अपने स्थापना के बाद से बरेका ने अब तक विभिन्न प्रकार के हॉर्स पावर डीजल (एल्को एवं उच्च शक्ति) साथ ही इलेक्ट्रिक रेल इंजन सहित कुल 10210 रेल इंजनों का निर्माण कर किया है। इसमें 1895 विद्युत रेल इंजन, 2467 उच्च अश्वशक्ति डीजल, 5031 एल्को रेल इंजन, भारत में गैर-रेलवे ग्राहकों के लिए 636 रेल इंजन, 172 निर्यातित रेल इंजन , 8 रूपांतरण और 1 ड्यूल मोड रेल इंजन शामिल हैं।

रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में 5 बार सर्वश्रेष्ठ उत्पादन इकाई का गौरव प्राप्त करने के साथ ही दिसंबर'23 में, बरेका निर्मित 10,000 वां लोकोमोटिव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था। इसके अतिरिक्त जनवरी'24 में, बरेका ने 55 विद्युत रेल इंजनों का निर्माण करके एक नया रिकॉर्ड बनाया, जो अबतक किसी भी एक महीने में हासिल किया गया उच्चतम उत्पादन आंकड़ा है। पुनः एक बार फिर एक और उपलब्धि अपने नाम करते हुए 22 मार्च 2024 को राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु बरेका को प्रथम पुरस्कार के रूप में 'रेल मंत्री राजभाषा शील्ड' से सम्मानित किया। नए वित्तीय वर्ष 2024-25 में रेल मंत्रालय ने बनारस रेल इंजन कारखाना को 500 विद्युत रेल इंजन बनाने का लक्ष्य दिया है। महाप्रबंधक बासुदेव पांडा ने शॉप फ्लोर पर अधिकारियों व कर्मचारियों के मध्य पहुंचकर वित्तीय वर्ष 2023-24 की समाप्ति के अवसर पर बधाई दी।

लोको असेंबली शॉप में आयोजित कार्यक्रम में बरेका के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एसके श्रीवास्तव, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, उत्पादन व विपणन सुनील कुमार, मुख्य सामग्री प्रबंधक, लोको त्रिलोक कोठारी, एसके मिश्रा, अतुल सक्सेना, आशीष कुमार अग्रवाल, प्रवीण कुमार, अरुण कुमार शर्मा, मनोज कुमार सिंह, विजय के अलावा बड़ी संख्या में कर्मचारियों के साथ महिलाकर्मी भी उपस्थित रहीं।

सीएचसी चोलापुर व आयुष्मान आरोग्य मंदिर करधना को मिला एनक्वास का दर्जा

मानकों को पूरा कर पाया मुकाम

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। जनपद का मिनी जिला चिकित्सालय कहे जाने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोलापुर और सेवापुरी ब्लॉक के आयुष्मान भारत आयुष्मान आरोग्य मंदिर करधना प्रथम को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास) का दर्जा प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के निर्धारित सभी स्वास्थ्य मानकों को पूरा कर सीएचसी चोलापुर ने 82.7 प्रतिशत और आयुष्मान आरोग्य मंदिर करधना प्रथम ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस उपलब्धि से वाराणसी में सीएचसी स्तर का पहला सीएचसी चोलापुर और करधना प्रथम, दूसरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बन गया है। इसे 'एनक्वास' सर्टिफाइड होने का दर्जा प्राप्त हुआ है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने कहा कि यह जिले में चिकित्सा व स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले वाराणसी के राजकीय चिकित्सालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को एनक्वास मिल चुका है, लेकिन जनपद के किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को यह उपलब्धि पहली और आयुष्मान आरोग्य मंदिर को दूसरी बार हासिल हुई है। सीएमओ ने सीएचसी चोलापुर के अधीक्षक डॉ आरबी यादव समेत समस्त अधिकारी व स्वास्थ्यकर्मियों एवं करधना प्रथम आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) अंजनी भारती, सुधा, एएनएम, समस्त आशा कार्यकताओं और ग्राम प्रधान निसार अहमद को बधाई दी। इस कार्य में चिकित्साधिकारी डॉ. यतीश भुवन पाठक, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक संतोष कुमार सिंह, क्वालिटी एश्योरेंस मंडलीय सलाहकार डॉ. तनवीर सिद्दकी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी शिखा श्रीवास्तव, प्रभारी चिकित्साधिकारी सेवापुरी डॉ मनोज वर्मा, बीपीएम अनूप मिश्रा, बीसीपीएम सीमा यादव एवं अन्य संबन्धित सहयोगी स्टाफ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसमें सहयोगी संस्था न्यूट्रीशन इंटरनेशनल, यूपीटीएसयू एवं जपाईगो के जनपद प्रतिनिधियों ने भी अहम भूमिका निभाई। सीएमओ ने कहा कि सीएचसी चोलापुर और आयुष्मान आरोग्य मंदिर करधना प्रथम, अब जनपद के लिए मॉडल केंद्र बन गए हैं। चिकित्सकों, स्टाफ नर्स समेत सीएचओ, एएनएम, आशा कार्यकताओं को भारत सरकार के निर्धारित सभी मानकों के लिए बेहतर तरीके से प्रशिक्षित किया गया था, जिससे वह उन मानकों को पूरा कर सकें। उन्होंने किशोरी के परामर्श से लेकर गर्भावस्था, प्रसव पूर्व जांच व देखभाल, प्रसव पश्चात देखभाल, नवजात शिशु देखभाल, सम्पूर्ण टीकाकारण, परिवार नियोजन की स्थायी व अस्थायी सेवाएँ, संचारी व गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, जांच, परामर्श आदि के साथ ही जागरूकता पर पूरा ध्यान दिया। अधीक्षक डॉ आरबी यादव ने बताया कि सीएचसी चोलापुर ने भारत सरकार की ओर से निर्धारित मानकों क्रमशः दुर्घटना एवं आपातकालीन, ओपीडी, आईपीडी, लैब, फार्मेसी, सहायक सेवाएं, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन एवं ब्लड स्टोरेज यूनिट में 82.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। मंडलीय सलाहकार डॉ तनवीर सिद्दकी ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर करधना प्रथम ने केयर इन प्रेग्नेंसी एंड चाइल्ड बर्थ, निओनेटल एंड इफेंट हेल्थ सर्विसेज, चाइल्डहुड एंड एडोलसेंट हेल्थ सर्विसेज, फैमिली प्लानिंग, मैनेजमेंट ऑफ कम्यूनिकेबल डीजीज, मैनेजमेंट ऑफ सिम्पल इलनेस इनक्लूडिंग माइनर एलीमेंट्स एवं मैनेजमेंट ऑफ नॉन कम्यूनिकेबल डीसीज पर बेहतर स्कोर प्राप्त हुए हैं।

परिवर्तन दूत

संपादकीय

यूक्रेन ने मांगी भारत से मदद

रूस-यूक्रेन युद्ध को चलते अब काफी लम्बा समय हो गया है। रूस के ताबड़तोड़ हमलों से यूक्रेन काफी हद तक पस्त नजर आ रहा है। युद्ध के मामले में महाशक्तियों के कुछ गुट बने हुए हैं और कुछ देशों ने तटस्थता की नीति अपनाई है। इनमें से भारत भी एक है। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में तीन महाशक्तियां हैं जिनमें से रूस और अमेरिका भारत के दोस्त हैं। जबकि चीन प्रतिस्पर्धी है। सवाल यह है कि यूरोपीय देशों में चल रहे विवाद में भारत किसी एक के साथ खड़ा होकर अपने लिए प्रतिस्पर्धा को और सख्त होने का मौका क्यों दे। हर देश राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपनी विदेश नीति तय करता है और वे ऐसा करने को स्वतंत्र भी है। अमेरिका रूस को कमजोर होते देखना चाहता है, वहीं रूस भारत का जांचा-परखा मित्र है। अमेरिका भी यह बात जानता है कि शीत युद्ध में भी रूस भारत के साथ खड़ा रहा है। भारत के हित रूस की मजबूती में हैं। भारत को न केवल रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग चाहिए, बल्कि भूराजनीतिक दृष्टि से भी उसे इसकी जरूरत है। रूस, ईरान और अन्य मध्य एशियाई देशों के साथ सहयोग और तालमेल बनाए रखना भारत के लिए बहुत जरूरी है। भारत ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि वह किसी महाशक्ति का पिट्ठू नहीं है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को देखकर नीतियां बनाने का अधिकार है।भारत अपनी रणनीति व्यवहारिकता के आधार पर तय करता है। दुनिया में शांतिदूत माने जाने वाला भारत कभी युद्ध का समर्थक नहीं रहा और भारत ने रूस और यूक्रेन के साथ अपने चैनल खुले रखे हुए हैं। भारत शुरू से ही इस युद्ध को बातचीत के जरिये खत्म करने की अपील करता रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ काफी अच्छे रिश्ते हैं। जेलेंस्की को उम्मीद है कि भारत युद्ध को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शांति की उम्मीद में जेलेंस्की ने अपने विदेश मंत्री द्मिमित्रो कुलेबा को भारत भेजा है। कुलेबा ने रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच कीव के शांति प्रयासों को बढ़ाने के संबंध में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और उन्होंने भारतीय उपराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्त्री के साथ भी बातचीत की। पिछले हफ्ते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले पुतिन से और फिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी। इससे संकेत मिले थे कि भारत युद्ध को खत्म करने के लिए कोई पहल कर सकता है। 2020 में यूक्रेन के विदेश मंत्री बनने के बाद कुलेबा की यह पहली भारत यात्रा है। कुलेबा का मुख्य एजेंडा स्विट्जरलैंड में होने वाले शांति शिखर सम्मेलन के लिए भारत से समर्थन जुटाना है। कुलेबा को अंतर्राष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन के लिए भारत का समर्थन मिलने की उम्मीद है। यह सम्मेलन तटस्थ स्विट्ध्जरलैंड संभवतः वसंत ऋतु में आयोजित करेगा। सम्मेलन की तारीखों की अभी घोषणा नहीं की गई है। राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेंस्की के 10 सूत्रीय शांति प्रस्ताव के लिए समर्थन जुटाने के लिए शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई है। जिसे जेलेंस्की हमेशा रूस के सामने रखते रहे हैं। जनवरी में स्विस राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने कहा कि उनका देश वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। स्विस सरकार ने उस समय कहा, 'यूक्रेनी राष्ट्रपति के अनुरोध पर स्विट्जरलैंड शांति सूत्र पर एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए सहमत हो गया है।' अहिंसा के पुजारी भारत पर इस समय युद्ध खत्म कराने के लिए नैतिक दबाव भी है। युद्ध जारी रहने से दुनियाभर में ऊर्जा और खाद्य समस्या बढ़ रही है। भारत ने हर मंच पर यह स्पष्ट किया है कि रूस से दोस्ती का मतलब यह नहीं ध्कि वह युद्ध समर्थक है। भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने रूस को दो टूक शब्दों में कहा है कि यह समय युद्ध का नहीं है। दो साल पहले 24 फरवरी, 2022 को रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। उस दिन से आज तक कोई भी ऐसा दिन नहीं आया जब यूक्रेन की धरती बारूद से नहीं कांपी हो। क्या आपने कभी ऐसे शहर की कल्पना की थी जहां कोई भी ऊंची इमारत नहीं हो। जहां हर तरफ लाशों का ढेर हो। जहां हर तरफ बारूद का शोर हो। जहां हजारों की जिंदगियां खत्म और बर्बाद गई हो। रूस-यूक्रेन की जंग में अब तक बहुत कुछ तहस-नहस हो चुका है लेकिन युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। गगनचुंबी इमारतें मलबे के ढेर में तब्दील हो गईं। सड़कों पर लाशें बिछ गईं। स्कूल, अस्पताल, घर, दफ्तर सब कुछ श्मशान में तब्दील हो चुका है।विशेषज्ञों का कहना है कि भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत है। पिछले कुछ समय से भारत का दायरा बहुत बढ़ा है। भारत इस समय जी-20 की मेजबानी कर चुके हैं। इसके चलते भारत की दुनिया में भागीदारी और भूमिका बढ़ी है। अमेरिका और पश्चिम के उसके कुछ मित्र देश भी यह स्वीकार करते हैं कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जो युद्ध रोकने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकता है। भारत में हमेशा विश्व शक्तियों को संतुलित करने की परम्परा रही है। क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए भारत रूस और यूक्रेन को वार्ता की मेज पर ला सकता है। यह सही है कि भारत के महत्व को पहचानते हुए अमेरिका भी भारत से संबंधों को लगातार मजबूत कर रहा है। अगर पश्चिमी देश भी युद्ध खत्म करने के लिए तैयार हों तो भारत शांतिदूत की भूमिका निभाने को तैयार होगा।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से लोकसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा?

उमेश चतुर्वेदी

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी हो, इसी बीच किसी राज्य के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी हो और उस पर राजनीति ना हो, ऐसा संभव ही नहीं है। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गिरफ्तार किया है। ईडी का दावा है कि इन गिरफ्तारियों के पीछे कोई राजनीति नहीं है। लेकिन राजनीति और लोक का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है, जो इन गिरफ्तारियों के पीछे राजनीति देख रहा है। मोदी विरोधी आईएनडीआईए गठबंधन में चूंकि केजरीवाल भी शामिल हैं, लिहाजा गठबंधन के नेता इन गिरफ्तारियों को सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक बताने-बनाने में जुट गए हैं। उनका एक ही सवाल है कि आखिर सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही ईडी या सीबीआई निशाना क्यों बना रहे हैं? बार-बार ऐसा कहकर एक तरह से मोदी विरोधी मोर्चे के नेताओं की कोशिश यह है कि इन गिरफ्तारियों को भ्रष्टाचार की बजाय सिर्फ राजनीति का रंग दिया जाए और इसके जरिए मोदी विरोधी वोटों की फसल काट ली जाये।लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा संभव है? मोदी के उभार के बाद के दोनों संसदीय चुनावों में दिल्ली विधानसभा में अपार बहुमत रखने वाली आम आदमी पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई है। इस बार तो आम आदमी पार्टी ने उस कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया है, जिसके भ्रष्टाचार के विरोध में उसका समूचा अस्तित्व पनपता रहा। दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं, जिनमें तीन सीटों पर जहां कांग्रेस चुनाव लड़ रही है, वहीं आम आदमी पार्टी चार सीटों पर मैदान में है। पिछले दो आम चुनावों में आम आदमी पार्टी की स्थिति तीसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई थी। गठबंधन करके कांग्रेस और आम आदमी पार्टी-दोनों ने उम्मीद लगा रखी है कि दो आम चुनावों से जारी दिल्ली में उनका सूखा शायद कम हो जाए। केजरीवाल की गिरफ्तारी के पहले तक ऐसा नहीं लग रहा था कि विगत के दो चुनावों से इतर कांग्रेस और आम आदमी

पार्टी का इतिहास इस बार इतर होने जा रहा है। लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दोनों पार्टियों को सहानुभूति लहर उठने की उम्मीद है। उन्हें लगता है कि सहानुभूति की वजह से इस बार भारतीय जनता पार्टी के किले में सेंध लग सकती है।शराब घोटाले में केजरीवाल के पहले उनके दो स्तंभों पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह गिरफ्तार हो चुके हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। दिल्ली शराब नीति घोटाले में दिल्ली से तीसरी बड़ी गिरफ्तारी केजरीवाल की हुई है। इसी केस में भारत राष्ट्र समिति की नेता और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता भी गिरफ्तार हैं। केजरीवाल को गिरफ्तार करने से पहले ईडी ने नौ बार समन देकर उन्हें बुलाया। लेकिन हर बार वे ईडी के सामने जाने से बचते रहे। केजरीवाल का राजनीतिक अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उनकी पैंतरेबाजी से साफ है कि राजनीति करने में वे पुराने से पुराने नेताओं पर भारी हैं। समन को अनदेखा करके एक तरह से वे इस मुद्दे को जिंदा रखने और इसके जरिए अपने लिए वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते रहे। गिरफ्तारी के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा ना देकर भी केजरीवाल राजनीति कर रहे हैं। ईडी की हिरासत से ही वे दिल्ली के लिए दो आदेश जारी कर चुके हैं। पहले में जहां उन्होंने दिल्ली की सीवर व्यवस्था दुरूस्त करने का आदेश दिया है, वहीं उनका दूसरा आदेश स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त रखना है। दिल्ली में विपक्षी भूमिका निभा रही भारतीय जनता पार्टी इस पर हंगामा कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल को हटाने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई। जिसे हाईकोर्ट ठुकरा चुका है। इसके बावजूद नैतिकता के आधार पर भाजपा केजरीवाल से इस्तीफे की मांग कर रही है। लेकिन केजरीवाल के खेमे के तर्क है कि संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को अपने पद से इस्तीफा दे ही देना होगा। इस तर्क के सहारे केजरीवाल मुख्यमंत्री के पद पर जमे हुए हैं।हिरासत से आदेश देना और उसका आम आदमी पार्टी द्वारा भरपूर प्रचार किया जाना दरअसल केजरीवाल के प्रति सहानुभूति हासिल करने की प्रक्रिया का ही विस्तार है। भारतीय समाज भावुक होता है। इस भावुकता का फायदा हर राजनीतिक दल अपने तईं उठाते रहे हैं। इसी अंदाज में केजरीवाल परिवार भी आगे बढ़ रहा है। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के भावुकताभरे बयान भी इसका ही उदाहरण हैं। दरअसल इन कदमों से आम आदमी पार्टी दिल्ली के लोगों को यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि जेल में रहते हुए भी आम आदमी पार्टी प्रमुख सिर्फ दिल्ली के ही बारे में सोच रहे हैं। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बहाने सहानुभूति हासिल करना है।इस बीच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के एक बयान से दिल्ली सरकार की बर्खास्तगी को लेकर अटकलें तेज हो गईं। उपराज्यपाल ने यह कह दिया कि जेल से दिल्ली की सरकार नहीं चलने दी जाएगी। उपराज्यपाल के इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की कोशिशों का जोरदार विरोध किया। वैसे माना यह जा रहा है कि यह विरोध भी आम आदमी पार्टी की रणनीति का ही हिस्सा है। ताकि केंद्र सरकार दिल्ली सरकार को बर्खास्त कर दे। इससे केजरीवाल के पक्ष में जोरदार लहर उठ खड़ी होगी और मौजूदा आम चुनावों में आम आदमी पार्टी इसका फायदा उठा सकेगी।वैसे भारतीय जनता पार्टी की ओर से केजरीवाल को दोषी बताने की खूब कोशिशें हो रही हैं। दिल्ली में विपक्षी दल होने के नाते उसकी यह जिम्मेदारी भी है। लेकिन यह भी सच है कि दिल्ली बीजेपी की यह कोशिश बहुत ज्यादा कामयाब नहीं है। दिल्ली का एक वर्ग ऐसा भी है, जो मानता है कि केजरीवाल को तंग किया जा रहा है। दिल्ली की बसों, मेट्रो आदि में ऐसी चर्चाएं सुनाई दे रही हैं। हालांकि एक तबका ऐसा भी है, जो मानता है कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरे केजरीवाल भी भ्रष्ट हो गए हैं। केजरीवाल के प्रति सहानुभूति रखने वाले में उस वर्ग के लोग ज्यादा हैं, जिन्हें दिल्ली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का फायदा मिल रहा है। हालांकि दिल्ली की खस्ताहाल बसें, व्यवस्था की ढिलाई आदि के चलते केजरीवाल सरकार से नाराजगी रखने वाला भी एक वर्ग है। जो इस गिरफ्तारी को जायज ठहरा रहा है। केजरीवाल की गिरफ्तारी को नाजायज बताने में जुटी कांग्रेस की स्थित सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। लोग चुटकियां लेने से बाज नहीं आ रहे। लोगों का कहना है कि जिस कांग्रेस को भ्रष्टाचारी बताते-बताते केजरीवाल ने नष्ट कर दिया, वह भी उसकी ईमानदारी की गारंटी दे रही है। यही वजह प्रहसन का बिंदु है, जिसकी वजह से दिल्ली के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीद लगा सकती है। हालांकि इस प्रहसन के प्रभाव को कम करने की कोशिश में आम आदमी पार्टी ही नहीं, कांग्रेस भी प्राणपण से जुटी है। दिल्ली की काया पलटने वाली कांग्रेसी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कभी कहा करते थे कि वे केजरीवाल से अपनी मां के अपमान का बदला जरूर लेंगे। वह संदीप दीक्षित भी अब केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बताने लगे हैं। संदीप दीक्षित जैसों के बयानों को भाजपा के दिल्ली के लोकसभाई किले में सेंध लगाने की कोशिश का विस्तार मान सकते हैं। दिल्ली के अपने छह सांसदों के टिकट भाजपा ने काट दिए हैं। सिर्फ मनोज तिवारी ही ऐसे हैं, जिन्हें तीसरी बार टिकट मिला है। भाजपा के इस कदम का आम आदमी पार्टी और कांग्रेस- दोनों भाजपा की नाकामी के रूप में दिखाने-जताने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मकसद यह है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उपजी सहानुभूति लहर को उभारते हुए भाजपा की नाकामी से जोड़ दिया जाए और उसका चुनावी फायदा उठाया जाए। दिल्ली में पांचवें दौर में 25 मई को चुनाव होना है। जिसमें काफी वक्त है। अभी तक तो कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान तक नहीं कर सकी है। ऐसे में चुनावी पानी की धार को लेकर फिलहाल कुछ कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन एक बात स्वीकार करनी होगी कि अगर केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सहानुभूति लहर बढ़ी तो दिल्ली का चुनावी इतिहास बदल सकता है। वैसे अब तक जैसी सहानुभूति है, उससे इतिहास बदलने की उम्मीद फिलहाल बेमानी है।

ज्ञान से ही लोक, परलोक आलोकित

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है। जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि श्पाप से घृणा करो पापी से नहींश् फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना किश् ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैंश्। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है,

बिहार में सीट बंटवारे का पेंच

बिहार में विपक्षी गठबन्धन इंडिया के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को जो अन्तिम रूप दिया गया है उससे प्रायः सभी घटक दल सन्तुष्ट नजर आ रहे हैं परन्तु श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के सुर थोड़े बगावती हो रहे हैं और वह राज्य की पूर्णिया लोकसभा सीट पर अपना एकाधिकार मान रहे हैं। उनका यह रुख गठबन्धन धर्म के विरुद्ध दिखाई पड़ता है। श्री पप्पू यादव को याद रखना चाहिए कि उन्होंने अपनी 'जनाधिकार पार्टी' का कांग्रेस में विलय कर दिया है अतः सीट बंटवारे के बारे में किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया व्यक्त करने का अधिकार अब केवल कांग्रेस पार्टी के पास है। इसके साथ ही उन्हें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि ये लोकसभा के राष्ट्रीय चुनाव हैं न कि विधानसभा के जिनमें स्थानीय जातिगत गुणा-गणित भी मायने रखता है। इसके साथ ही उन्हें अपने प्रदेश बिहार के राजनैतिक मिजाज का भी ध्यान रखना चाहिए। यह राजनैतिक मिजाज यह है कि बिहार ने हर संकट के समय पूरे देश को दिशा दिखाने का काम किया है। आजादी के आन्दोलन से लेकर स्वतंत्रता के बाद भारत की राजनीति में बिहार के लोगों की राजनैतिक भूमिका अग्रणी ही नहीं रही बल्कि हर मौके पर उन्होंने साथी भारतवासियों को रोशनी दिखाने का काम किया है। यहां के लोग आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत गरीब हो सकते हैं मगर ज्ञान व बुद्धि में बहुत धनवान माने जाते हैं जिसका प्रमाण यह है कि जब से भारत की प्रशासनिक सेवाओं में हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को यथा योग्य स्थान मिला है तब से ही इस राज्य के सर्वाधिक युवा इन परीक्षाओं में अव्वल स्थान रखते आ रहे हैं। इतना ही नहीं राजनीति में भी यहां का सामान्य नागरिक बहुत चतुर व सुजान समझा जाता है। मौजूदा लोकसभा चुनाव असाधारण चुनाव समझे जा रहे हैं अतः पप्पू यादव को समझना होगा कि उनकी व्यक्तिगत आकांक्षाओं का राष्ट्रीय आकांक्षाओं के समक्ष महत्व केवल शून्य ही हो सकता है क्योंकि राज्य में पिछले 2019 के चुनावों में समूचे विपक्ष में से केवल कांग्रेस को एक ही सीट किशनगंज की मिली थी जबकि राज्य की शेष सभी 39 सीटों पर भाजपा नीत एनडीए का कब्जा हुआ था। इसकी वजह एक ही थी कि पिछले चुनाव राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर हुए जिसके नायक प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी थे। इस बार के चुनावों में विपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' भाजपा के मुकाबले जो चुनावी विमर्श खड़ा कर रहा है उसके मूल में देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था है । अतः पप्पू यादव को अपनी पार्टी कांग्रेस के आन्तरिक लोकतन्त्र की मर्यादाओं में रहते हुए ही व्यक्तिगत आकांक्षा को उजागर करना चाहिए और अपने लिए पूर्णिया के अलावा किसी दूसरी सीट को देखना चाहिए। वैसे चुनाव में उन्हें खड़ा करना है या न करना, इस बारे में अंतिम फैसला तो कांग्रेस पार्टी को ही करना है। गौर से देखा जाये तो पप्पू यादव को अपनी पार्टी के हित में खुद ही चुनाव नहीं लड़ना चाहिए क्योंकि कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल पर भाजपा परिवारवाद का आरोप लगाती है। पप्पू की पत्नी श्रीमती रंजीता रंजन कांग्रेस की ही राज्यसभा की सदस्य हैं। अतः नैतिकता का तकाजा है कि वह अपनी उम्मीदवारी का सवाल अपनी पार्टी पर ही छोड़ दें। कांग्रेस पार्टी ने इस बार राज्यवार वहां की सशक्त क्षेत्रीय पार्टियों के साथ चुनावी गठबन्धन किया है। बिहार में लालू की राष्ट्रीय जनता दल पार्टी काफी ताकतवर पार्टी मानी जाती है और इसके नेता तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय राजनीति का उभरता हुआ सितारा भी समझा जाता है। पिछले 2020 के विधानसभा चुनावों में तेजस्वी के बूते पर ही राष्ट्रीय जनता दल पार्टी राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी का मुद्दा!

प्रेम शर्मा

सत्तारूढ़ पार्टियों के केन्द्र एवं राज्य स्तर पर जो भी दावें है वह बेरोजगारी को लेकर हवा हवाई है। बेरोजगारी उस चरम पर है जिसका आभास सिर्फ बेरोजगारों को है। भीषण मंहगाई दौर में अगर दस हजार रूपये मासिक के भीतर जीवनयापन करने की मजबूरी वाले को अगर रोजगारयुक्त होने की श्रेणी में शामिल किया जाता है तो यह सिर्फ सिर्फ दिखावा या अपनी अक्षमता छुपना है। हमारे युवा, जो फिलहाल रोजगार, शिक्षा और प्रशिक्षण में नहीं हैं, उनकी हिस्सेदारी 29.2 फीसदी है। यह दक्षिण एशिया में सर्वाधिक है। बीते एक दशक के दौरान वेतनभोगियों अथवा स्वरोजगारों की औसत आमदनी या घटी है अथवा यथावत रही है। आम चुनाव का दौर है, लिहाजा सभी राजनीतिक दलों को बेरोजगारी के मुद्दे पर ईमानदारी से सोचना चाहिए। अब जबकि लोकसभा शुरू हो चुके है ऐसे में राजनैतिक दलों को बेरोजगारी को लेकर अपना स्पष्ट मत रखना चाहिए। उनका मत केवल घोषणा पत्र तक नही उस पर कम से कम 80 फीसदी तक वास्तविक अनुपालन होना चाहिए। यही नही सरकारी नौकरियों के पर्चे लीक होने, कई भर्ती मामलों का न्यायालय तक पहुचना सरकार की नीयत में खोट को दर्शाता है।भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के अनुसार सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती। जब बेरोजगारी की बात उठती है, तो समाधान की तुलना में अंदाजा लगाना आसान होता है। वह अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और मानव विकास संस्थान की 'भारत रोजगार रपट 2024' को पेश किए जाने के अवसर पर बोल रहे थे। यदि बेरोजगारी सरकार का कोई सरोकार नहीं है, तो देश के जीडीपी के आंकड़े और आर्थिक विकास दर कैसे तय की जाती है। क्या जीडीपी भारत के हवा-पानी का ही कोई संकलन है ? जीडीपी देश के नागरिकों के रोजगार, उनके संसाधन और अंशदान के आधार पर ही आकार लेता है। बेशक हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर निरंतर जारी है। फरवरी, 2024 में जो डाटा सामने आया है, उसके मुताबिक, जीडीपी की विकास-दर 2023-24 में 7.6 फीसदी रहेगी। यह पहले के अनुमान 7.3 फीसदी से अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में यह आकलन किया गया है कि 2024-25 में विकास-दर 7 फीसदी रह सकती है। हमारी विकास-दर दुनिया के सभी बड़े देशों की तुलना में सर्वाधिक है, लिहाजा आम भारतीय का गदगद होना स्वाभाविक है। हालांकि औसत भारतीय आज तक इसका विश्लेषण नहीं कर पाया है कि विकास-दर से उसकी प्रत्यक्ष आय में कितनी बढ़ोतरी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में आर्थिक बढ़ोतरी के बावजूद चिंताएं श्रम बाजार, श्रम बल, उत्पादक रोजगार आदि को लेकर ज्यादा हैं। आईएलओ की रपट के मुताबिक, भारत देश के कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी 2000 में 54.2 फीसदी से बढ़कर 2022 में 65.7 फीसदी हो गई है। जो रोजगार बढ़ा है, उसके दो-तिहाई में स्वरोजगार वाले कामगार हैं। कृषि में भी बेरोजगारी बढ़ी है। मैन्यूफैक्चरिंग में भी रोजगार की हिस्सेदारी स्थिर रही है। संकेत चिंताजनक हैं, जिन पर गंभीर मंथन किया जाना चाहिए। आईएलओ रपट में भारत में कुल 83 फीसदी बेरोजगारी बताई गई है, तो यह क्या है ? वैसे तो श्रम बाजार में औसतन हर साल 70-80 लाख नए कामगार प्रवेश करते हैं। बेरोजगारी शहरी इलाकों के पढ़े-लिखे युवाओं में अधिक है। विडंबना यह भी है कि यदि नौकरी निकले चपरासी की, जिसके लिए शैक्षिक पात्रता 5वीं पास मांगी जाए, लेकिन 3700 पीएचडी धारक बेरोजगार भी आवेदन कर दें, तो यही कहा जा सकता है कि शैक्षिक डिग्रियां भी नौकरी की गारंटी नहीं हैं। यह हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए गंभीर चुनौती है। देश की कामकाजी उम्र की आबादी करीब 63 फीसदी है। रोजगार प्रत्येक चुनाव का एक स्थायी मुद्दा है। पहले लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक शायद ही कोई चुनाव हुआ हो, जिसमें रोजगार मुद्दा न रहा हो। केवल भारत ही नहीं, अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी रोजगार का सवाल कभी दबा नहीं। अहम सवाल यह है कि क्या यह स्थायी मुद्दा निर्णायक मुद्दा भी होता...। इसमें शक नहीं कि युवाओं के बीच इसका असर होता है, इसीलिए मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस इसे धार देने में जुटी है, सत्ताधारी भाजपा की ओर से कुछ आंकड़े भी पेश किए जा रहे हैं। उसकी ओर से यह भी बताया जा रहा है कि सरकार युवाओं को रोजगार चाहने वाले यानी नौकरी की चाह रहने वाले से ज्यादा रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में काम कर रही है। ऐसे में यह माना जाना चाहिए कि रोजगार के मुद्दे का प्रभाव विश्वसनीयता और प्रतिबद्धता पर जाकर टिकेगा। इस स्थायी मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए नया रास्ता ही ढूंढना होगा। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि चुनाव मैदान में सभी दल

आज का राशिफल

मेषः- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

बृषभ :- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्याः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिकः- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

धनुः- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकरः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभः- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

मीनः- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

गेंहू के खेत में लगी आग लाखों का नुकसान

ग्रामीणों के मदद आग पर पाया काबू, किसानो ने नजदीक के फायर बिग्रेड रखे जाने की किया मांग

परिवर्तन दूत

अहरौरा, मिर्जापुर। थाना क्षेत्र के कंचनपुर ग्राम पंचायत में स्थित पलंगरापुर (पैगम्बपुर) गांव के सिवान में सोमवार को दोपहर बाद लगभग 3 बजे बिजली के शार्ट सर्किट से आग लगने के कारण लगभग 6 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। धुआं उठता देख दर्जनों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने लाठी डंडे से पीट-पीटकर किसी तरह आग पर काबू पाया। खेत के ऊपर से गए बिजली के तार में हुई शार्ट सर्किट से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई।फसल जलता देख आसपास के लोग शोर मचाने लगे और जो जहां था वहीं से लाठी डंडा लेकर दौड़ पड़ा और लोग आग से कुछ दूरी बनाकर गेहूं की फसल को उखाड़ कर पूरा घेरा बना दिए ताकि आग आगे ना बढ़ने पाए। इसके साथ

ही लोगों ने पीट-पीट कर आग को बुझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद आग बुझ पाई। गांव के अवधेश सिंह ने बताया कि कंचनपुर निवासी रवि भूषण सिंह, अशोक सिंह, संतोष सिंह, भवन सिंह इत्यादि लोगों का गेहूं का फसल जल गया है। इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल अमरेश सिंह जानकारी दिए जाने के बाद भी खबर भेजे जाने तक मौके पर नहीं पहुंच पाए थे ताकि किसका कितना फसल जला है इसका अंदाजा लग सके। शार्ट सर्किट से आग लगने की घटना के बाद किसानों ने क्षेत्र के अदलहाट या अहरौरा में फायर ब्रिगेड की गाड़ी का मुख्यालय बनाए जाने की मांग किया है। ताकि दस किमी की परिधि में आग लगने की कोई भी घटना होने पर फायर ब्रिगेड तत्काल पहुंच सके।

एमआरएफ सेंटर के कूड़े में लगी आग धुंए से लोग परेशान

अहरौरा, मिर्जापुर। नगर पालिका के हिनौता ग्राम सभा मे बनाये गए एमआरएफ सेंटर के कूड़े में सोमवार की दोपहर को अचानक से आग लग गई। आग इतना तेज फैल गया कि आग पर काबू पाना आसान नही था। वहां मौजूद कर्मी ने पालिका कार्यालय में सूचना दिया। सूचना पाकर मौके पर पहूंचे नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश, अधिशासी अधिकारी अमीता सिंह ने तत्काल तीन पानी टैंकर और दर्जनो कर्मियों के मदद से आग पर काबू पाया। मौजूद नपाकर्मियों ने बताया कि होली के समय कूड़े में पटाखा था इसलिए आग लग गई।

मां की डांट से नाराज नाबालिग को पुलिस ने परिजनों को किया सुपुर्द

मां की फटकार से घर से निकल गयी थी

अहरौरा, मिर्जापुर। क्षेत्र के पट्टीकला ओवरब्रिज के निचे एक 13 वर्षीय लड़की भटक कर चली आई। आसपास के लोगों ने ओवरब्रिज के नीचे काफी समय से बैठा देख पूछा गया तो अपना नाम राधा और पिता का नाम संतोष यादव बता रही थी। वही एक महिला ने 13 वर्षिय लड़की को लेकर चली गई अपने घर। और सुबह पुलिस चौकी में उस लड़की बैठा दी गई।

पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर लड़की की फोटो और नाम पता व्हाट्सएप ग्रुप पर चलवा दिया जिससे पता चल गया। उसी दौरान अदलहाट पुलिस ने बताया कि राधा पुत्री संतोष यादव की 29 मार्च को गुमसुदगी दर्ज है।

उसी दौरान एसआई राजेश कुमार त्रिपाठी मय हमराह को सुपुर्द कर दिया गया।

नगर चौकी प्रभारी मनोज रॉय ने बताया कि राधा पुत्री संतोष यादव निवासी बभनी थाना अदलहाट 28 मार्च को माता के डांट से राधा गुस्से में आकर चली गई थी जिसे परिजनो ने काफी खोजबीन किया नही मिलने पर, पिता ने 29 मार्च को अदलहाट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई, वही 31 मार्च दिन रविवार को अहरौरा थाना क्षेत्र के कस्बा चौकी क्षेत्र के ओवरब्रिज के निचे बैठी हुई मिली, काफी समय हो जाने के कारण एक महिला ने अपने घर ले जाकर खाना पीना खिलाया और सुलाया। सोमवार की सुबह महिला ने लड़की को चौकी में पहूंचाकर चली गई।

बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से पिता और अदलहाट पुलिस को सूचना दे दी गई। जिसपर एसआई राजेश कुमार त्रिपाठी को 13 वर्षीय लड़की को सुपुर्द कर दिया गया।

मुख्तार को श्रद्धांजलि देने वालों का लगा ताता

गाजीपुर (परिवर्तन दूत)। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत के शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। मुहम्मदाबाद स्थित मुख्तार अंसारी के आवास पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंच रहे हैं। इसी बीच सोमवार को सपा नेता व पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव मुख्तार अंसारी के घर पर पहुंचे। धर्मेंद्र यादव के पहले भी कई नेता मुख्तार अंसारी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। मुहम्मदाबाद स्थित मुख्तार अंसारी के घर श्रद्धांजलि देने पहुंचे धर्मेंद्र यादव ने मुख्तार अंसारी के घर वालों से मुलाकात कर उनसे उनका हाल चाल जाना है। धर्मेंद्र यादव ने मुख्तार अंसारी के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार वालों ढांढ़स बंधाया। इसके बाद धर्मेंद्र यादव ने काली बाग कब्रिस्तान पहुंचे। जहां उन्होंने मुख्तार के कब्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ समाजवादी पार्टी के कई नेता और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उनके घर पर नेता लगातार श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंच रहे हैं। जिसे देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। गौरतलब है कि यूपी के पांच बार के विधायक रहे मुख्तार अंसारी की 28 मार्च की रात मौत हो गयी थी। वे बांदा जेल में बंद थे। तबीयत खराब होने के कारण उन्हें बांदा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद विपक्ष के सरकार को घेरने का काम किया। विपक्ष के कई नेताओं ने मुख्तार अंसारी की मौत पर सवाल उठाते मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी।

चोरी की दो स्कार्पियों संग दो गिरफ्तार

गाजीपुर (परिवर्तन दूत)। करंडा थाना पुलिस व स्वाट सर्विलांस टीम को बड़ी सफलता मिली है। बताते चलें कि थानाध्यक्ष करण्डा वागीश विक्रम सिंह अपने टीम के साथ थाना क्षेत्र के चाड़ीपुर तिराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे कि जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि मैनपुर की तरफ से आ रही दो स्कार्पियो वाहन जिस पर गलत नम्बर प्लेट लगाकर कहीं बेचने के फिराक मे जा रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर दोनों स्कार्पियो के साथ दो अभियुक्त अमित यादव (29) पुत्र विजयन्त यादव निवासी ग्राम परमेठ थाना करण्डा,जितेन्द्र बिन्द (30) पुत्र सूब्बा बिन्द निवासी सिरगिथा थाना नंदगंज तथा उपरोक्त अभियुक्तों की निशानदेही पर भिन्न-भिन्न स्थानों

से तीन अन्य स्कार्पियो वाहन को बरामद किया गया।

अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम लोग रजिस्ट्रेशन फेल हुई गाडियाँ महाराष्ट्र व गुजरात से सस्ते दामों में खरीदकर ले आते हैं तथा उसका चेचिस नम्बर व नम्बर प्लेट बदलकर लगन कमाने व लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों को प्रचार हेतु तथा बिहार में अच्छे दामों में बेचने हेतु इन वाहनों का उपयोग करते हैं।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में वागीश विक्रम थानाध्यक्ष करंडा के साथ टीम व स्वाट सर्विलांस टीम प्रभारी रामाश्रय राय व शिवाकांत मिश्रा मय की शामिल थे।

इवेंट बन चुका है चुनाव प्रचार- जजलाल

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। कांग्रेस कमेटी भदोही के जिला महासचिव जजलाल राय ने कहा कि पहले राजनीति करने वालो के प्रति लोगों की श्रद्धा होती थी, उनका आदर सम्मान होता था। इस कारण लोग वोट देने जाते थे साधन नहीं था 95% आबादी वोट डालने पैदल दूर तक जाती थी। आज की तरह कहां होता था गाड़ियों का काफिला, चुनाव में इस तरफ पैसे का बहाव तो सपना था। श्री राय ने कहा कि कहीं सभा होनी है, चौकी बिछा दी जाती थी। अंधेरा हो रहा है तो एक पेट्रोमैक्स जलाकर उसी में सभा हो जाती थी। नेता पैदल व साधारण गाड़ी घोड़े से चलते थे। लोग नेताओं को सुनने आते थे। भीड़ इकट्ठी करने के लिए ना गाड़ियों की जरूरत पड़ती थी, नहीं पैसे खर्च करने होते थे। कोई भी नेता हो जनता स्वयं आई थी उन्हें सुनने के

लिए सबको सुन समझ कर अपना निर्णय लेती थी। माला वगैरह आज की तरह होता था क्या। बहुत हुआ तो घर में लगे पौधों से ही फूल तोड़ माला गुथ लिया करते थे और एक माला लेकर चले आया करते थे। सोचिए, क्या श्रद्धा भाव हुआ करता था। श्री राय ने कहा कि चीजें धीरे-धीरे बदलती चली गई अब तो पूछे ही मत। चुनाव प्रचार इवेंट बन चुका है अब इवेंट कंपनियां आ गई है। राजनीति में इनका क्या काम? यह तो नेता और जनता के बीच का संवाद है, इसमें बहुत गिरावट आई है। श्री राय ने कहा कि पहले ऐसा कहा जाता था की राजनीति में है तो चरित्रवान होंगे ही। धीरे-धीरे यह सोच बदल गई।

डाला पुलिस ने शातिर अपराधी के घर कुर्की की कार्रवाई

परिवर्तन दूत

सकलडीहा,चंदौली। कोतवाली क्षेत्र के बलारपुर गांव निवासी अरविंद यादव सोनभद्र के डाला चौकी अर्न्तगत एनडीपीएक्स एक्ट के तहत वांछित है। बीते छः फरवरी को शातिर अपराधी के घर कुर्की की नोटिस चस्पा किया था। हाजिर नही होने पर सोमवार को न्यायालय के निर्देश पर सोनभद्र की डाला चौकी की पुलिस कोतवाली पुलिस के साथ अपराधी के घर कुर्की की कार्रवाई किया। कुर्की की सारा सामान प्रधान के सुर्पुदगी में सौपा। पुलिस प्रशासन के इस कार्रवाई से खलबली मची हुई है।

बलारपुर गांव का निवासी अरविंद यादव सकलडीहा केातवाली सहित विभिन्न जनपद के विभिन्न थानों का वांछित है। बीते दिनों अभियुक्त के खिलाफ

एनडीएपीएक्स के तहत सोनभद्र के डाला चौकी अर्न्तगत मुकदमा पंजीकृत हुआ है। जिसमें अभियुक्त लम्बे समय से फरार है। न्यायालय के निर्देश पर धारा 82 के तहत बीते 6 फरवरी को कुर्की हेतु नोटिस गांव और घर पर चस्पा किया गया। हाजिर नही होने पर पुनः सोनभद्र की डाला पुलिस ने कोतवाली पुलिस के साथ अपराधी के घर पहुंचकर डुगडुगी पिटवाते हुए कुर्की की कार्रवाई किया। कुर्क हुए सामानों को प्रधान के सुपुर्दगी में सौपा गया। पुलिस की इस कार्रवाई से खलबली मची हुई है। इस बाबत चौकी प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर कुर्की की कार्रवाई की गयी है। पूर्व में धारा 82 के तहत हाजिर होने के लिये नोटिस चस्पा किया गया था। इस मौके पर एसआई सहित महिला सिपाही नेहा मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरे...

पैरामिलिट्री व पुलिस ने दुर्गागंज क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत डॉ. मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक दुगार्गंज के नेतृत्व में थाना दुगार्गंज

क्षेत्र अन्तर्गत स्थानीय पुलिस बल व एसएसबी असिस्टेंट कमांडेंट, श्री राजीव कुमार पायलेट मय पैरामिलिट्री फोर्स के साथ मतदान केन्द्र तथा संवेदनशील स्थलों का फ्लैग मार्च,एरिया डोमिनेशन कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया गया एवं शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में सकुशल चुनाव सम्पन्न कराने का संदेश दिया गया।

आबकारी विभाग ने की वाहनों की चेकिंग

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त एवं जिलाधिकारी भदोही के आदेश एवं जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक अनिलकुमार सूर्यभान मय हमराह प्रधान आबकारी सिपाही,आबकारी सिपाही संजय तिवारी, पवन मिश्रा, भाईलाल सरोज, श्याम नारायण गिरी, अरशद जमाल सिद्दिकी और शालिनी पटेल द्वारा लालानगर टोल पर वाहनों की चेकिंग की गई।

मुंबई की टीम ने कस्तूरबा विद्यालय का किया निरीक्षण

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। गोयनका एजुकेशनल ट्रस्ट मुंबई की टीम द्वारा जनपद भदोही के तीन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का भ्रमण किया गया टीम द्वारा केजीवीवी के संचालन के संबंध में वार्डन से जानकारी प्राप्त की गई बालिकाओं को क्या सुविधा मिल रही है और अभी क्या सुविधा की आवश्यकता है इस पर विचार किया गया। राज्य सरकार द्वारा मिल रही सुविधाओं यथा भोजन, दैनिक सामग्री, स्टेशनरी, शैक्षिक गुणवत्ता के अतिरिक्त आधुनिक समय में बच्चों को और क्या सुविधा दी जाए इस पर टीम ने प्रस्ताव माँगा है। जिलाधिकारी विशाल सिंह एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र नारायण सिंह के साथ कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों मे सर्वप्रथम डीघ की जांच की गई। उन्होंने बच्चों से मिलकर शिक्षा की गुणवत्ता की परख की,

डीघ की व्यवस्था से श्री गोयंका ट्रस्ट मुंबई की टीम व डीएम प्रसन्न दिखे, उसके बाद ज्ञानपुर और सुरियावां के कस्तूरबा विद्यालयों पर पहुंचे। वहां पर उनके द्वारा शैक्षिक वातावरण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बालिकाओं विषय गत प्रश्न किये व बालिकाओं को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने शासन की मंशानुरूप शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस अवसर पर नवीन शैक्षिक सत्र की बधाई देते हुए शिक्षा की बेहतरी हेतु कार्य करने को कहा। डीएम द्वारा इस अवसर पर गोयनका एजुकेशनल ट्रस्ट से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, बालिकाओं के कौशल विकास, सम्बन्धी सुविधाओं हेतु सहयोग की अपेक्षा की गई जिस पर संस्था के सदस्यों ने सहमति जताई।

आग से आठ बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

बलिया। जिले के कोतवाली क्षेत्र के केवरा गांव में सोमवार को विद्युत ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से आग लग गई। जिससे लगभग आठ बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। घटना को लेकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सोमवार को केवरा हुसेनाबाद मार्ग पर खेत में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी खेत में गेहूं के फसल पर गिर गई। जिससे आग लग गई। इस दौरान पछुआ हवा तेज चलने के कारण आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया। तेज गति से खेतों में फैली आग ने लगभग आठ बीघा खड़ी फसल जलाकर राख कर दिया। किसानों ने अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों के साथ ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर किसी तरह काबू पाया। आग से कृषि विभाग का छह बीघा, श्रीनंद मौर्य व अखिलेश का एक-एक बीघा गेहूं जलकर राख हो गया।

भाई ने भाई की ले ली जान, डीजे बनी वजह

परिवर्तन दूत

मिर्जापुर। नगर के थाना कटरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शुक्लहा मोहल्ला में एक भाई ने अपने सगे भाई को परिवार और साथियों के साथ मिलकर इस कदर पीटा की उसकी मौत ही हो गई घटना 30 मार्च की है जब मृतक की बेटी के बच्चे का जन्म दिवस घर में मनाया जा रहा था और इसी दौरान डांस करने हेतु डीजे भी लगाया गया था जो कि दूसरे भाई को रास नहीं आ रहा था और उसने वहां पहुंचकर डीजे बंद करने को कहा जब भाई विष्णु सोनकर द्वारा डीजे नहीं बंद किया गया तो वह नाराज हो उठा और दोनो के बीच कहा सुनी होते यह विवाद मारपीट में बदल गई इस दौरान उनके पक्ष से और लोग भी आ गए और जमकर पिटाई कर दी । रात्रि में करीब 3 बजे पीटाई

से घायल विष्णु सोनकर की हालत बिगड़ी तो परिजन उसे ईलाज के लिए लेकर अस्पताल गए जहां उसकी मौत हो गई।

मामले में एसपी सिटी ने बताया कि दोनों भाइयों में पहले से मन मुटाव चला आ रहा था और इसी के चलते यह विवाद हुआ है । मृतक के परिजनों द्वारा चार लोगों के विरुद्ध नाम जद तहरीर दी गई है तहरीर के आधार पर नाम जद सभी चारों लोगों को हिरासत में ले लिया गया है और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

'श्रीमद रामायण' में 'सीता हरण' ट्रैक पर प्रकाश डालते हुए, निकितिन धीर बताते हैं कि उन्होंने ऋषि की भूमिका निभाने के लिए कैसे तैयारी की

परिवर्तन दूत

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की प्रतिष्ठित गाथा, 'श्रीमद रामायण' भगवान राम के जीवन और शिक्षाओं की अमर कथा के साथ दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। अब तक दर्शकों ने देखा कि कैसे राक्षस राजा रावण माता सीता का अपहरण कर लेता है और उन्हें बचाने और उनकी रक्षा करने के प्रयास में, जटायु रावण से लड़ता है। दूसरी ओर, भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण माता सीता की खोज शुरू करते हैं और रास्ते में उनके आभूषण पाते हैं, जिससे उन्हें यह निर्धारित करने में मदद मिलती है कि माता सीता किस दिशा में गई होंगी। तभी उन्हें एहसास होता है कि उनका अपहरण कर लिया गया है। माता सीता का अपहरण, जिसे 'सीता हरण' के नाम से जाना जाता है, भ्रामक परिस्थितियों के बीच से होता हुआ गुजरता है, जहाँ रावण चालाकी से उस जंगल में पहुँच जाता है, जहाँ भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण अपने वनवास के दौरान निवास करते थे। सीता की करुणा और आतिथ्य का अनुचित लाभ उठाते हुए, रावण उन्हें बातचीत में फँसा लेता है और उन्हें भिक्षा देने के लिए

लक्ष्मण द्वारा खींची गई सीमा को पार करने के लिए प्रेरित करता है। शक्तिशाली राक्षस रावण की भूमिका निभाने वाले निकितन धीर एक ऋषि का रूप धारण कर लेते हैं, जिसके लिए उन्हें शांत आचरण प्रदर्शित करना पड़ा।

इस ट्रैक और अपनी भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुए, निकितिन धीर कहते हैं, "एक एक्टर के रूप में, मैं खुद को रावण के व्यक्तित्व की जटिलता और गहराई की ओर आकर्षित पाता हूँ। मुझे एक ऋषि का वेश धारण करना था, जो रावण के बिल्कुल विपरीत था, ऐसे में इसके लिए मुझे कुछ तैयारियाँ करना पड़ी। माता सीता को मनाने के लिए उग्रता को कम करने से लेकर शालीन रूप धारण करने तक, इस रूप में आने से पहले, मैंने अपने दिमाग को शांत रखकर और अपने स्वर को बदलकर चरित्र को मूर्त रूप देने की कोशिश की। मेरे इस किरदार का उद्देश्य न केवल दर्शकों को मोहित करना है, बल्कि उन्हें आत्मनिरीक्षण की यात्रा पर आमंत्रित करना, नैतिकता, नियति और अच्छे-बुरे के बीच शाश्वत लड़ाई की खोज के लिए प्रेरित करना भी है, जो हम सभी के भीतर है।" देखिए 'श्रीमद रामायण', हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर।

युवती के आत्महत्या के मामले में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। गोपीगंज कोतवाली के पूरे टीका गांव मे आत्महत्या करने वाली साधना बिंद के मामले में भगतपट्टी निवासी धीरज बिन्द के खिलाफ मुकदमा कायम किया गया है' मृतक की मां इनरावती देवी की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। साधना का शव 24 मार्च को दिन मे लगभग एक बजे कमरे मे दुपट्टा के सहारे फांसी पर लटकता मिला था'मृतक की मां ने भगत पट्टी निवासी धीरज बिन्द पर बेटी को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दिया था' उसके मोबाइल का वाट्सएप व काल डिटेल देखने पर पता चला कि साधना रिश्तेदारी मे पड़ने वाले आरोपित धीरज बिन्द से बात करती थी' मां ने तहरीर मे आरोप लगाया कि वह बेटी को प्रताड़ित करता था' जिससे क्षुब्ध होकर उसने आत्महत्या कर ली 'मामले को गंभीरता से देखते हुए कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर साक्ष्य संकलन करने मे जुट गई है।

शीतला सप्तमी, डेरवा धाम सहित देवी मंदिरो में लगी कतार

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। शीतला सप्तमी पर गोपीगंज नगर व ग्रामीण क्षेत्र मे स्थित शीतला माता मंदिर डेरवा सहित अन्य देवी मंदिरो मे दर्शन पूजन के लिए कतार लगी रही।

विकास खंड औराई के गंगा के तटवर्ती क्षेत्र डेरवा भवानीपुर गांव में विराजमान मां शीतला धाम मे प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओ की कतार लगी रही' चैत्र मास मे पहले सोमवार शीतला सप्तमी को गंगा तट पर स्नान ध्यान कर ग्रामीण क्षेत्र के प्रमुख सिद्ध पीठ पर बड़ी संख्या में पहुचे लोगों ने दर्शन पूजन किया। मां शीतला का अलौकिक श्रृंगार किया गया' प्रातःकाल कालीन मंगला आरती के साथ शुरू हुआ दर्शन पूजन का क्रम देर शाम तक चलता रहा' वैसे तो गांव के लोग मां शीतला के दरबार मे शीश नवाने के उपरांत ही हर काम काज करते हैं लेकिन सोमवार को धाम मे श्रद्धालुओ की

भीड़ बढ़ जाती है आस पास गांव के साथ दूर दराज के लोग भी दर्शन पूजन के लिए पहुचते है'मान्यता है कि सच्चे मन से की गई आराधना के दौरान मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होता है'इसी आस्था और विश्वास के साथ दर्शन पूजन का क्रम चलता रहा'दिन भर चले दर्शन पूजन के साथ ही पूरा गांव जयकारे से गूंजायमान रहा' मनौती पूरी होने पर दूर दराज से पहुचे लोगों कड़ाही चढ़ा कर प्रसाद बनाया और मां को भोग लगाने के बाद वितरित किया'भीड़ को देखते हुए मंदिर व्यवस्थापक बघेल परिवार और पुजारी पंडा द्वारा दर्शन पूजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी'इस मौके पर प्रधान पुजारी, व्यस्थापक ओम सिंह बघेल, आशीष सिंह बघेल, ऋषि बघेल आदि लोग रहे।

परिवर्तन दूत

लखनऊ

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में महाकुंभ मेला-2025 की शीर्ष समिति की अष्टम बैठक सम्पन्न

लखनऊ,जीएनएस। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में प्रयागराज महाकुंभ मेला-2025 की शीर्ष समिति की अष्टम बैठक आयोजित हुई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने प्रयागराज 2025 में होने वाले महाकुंभ में सड़क, बिजली, पानी, पुल, घाट, और नदी के किनारे की सड़कें और सीवरेज आदि स्थायी प्रकृति के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की प्रकृति दीर्घकालिक होनी चाहिये, ताकि निर्मित होने वाले घाट इत्यादि कई वर्षों तक स्थापित रहें। निर्माणाधीन परियोजनाओं की जियो-टैग, ऐप या डैशबोर्ड के माध्यम से रियल टाइम मानिटरिंग की जाए। टेंटेज, स्वच्छता, पॉटून और चेकर्ड प्लेट रखरखाव, कैंप कनेक्शन/एचटी/एलटी केबल बिछाना, पोल ग्राउटिंग, जल निगम पाइपलाइन बिछाना आदि अस्थायी कार्यों को समय से और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाये। उन्होंने कहा कि आगामी महाकुंभ-2025 के लिए प्रयागराज शहर को तैयार करने के लिए 3 श्रेणी की कार्यशालाओं की योजना बनाई जाए। टूर गाइड, नाविक, कुंभ सेवा मित्र, विक्रेताओं, पुलिसकर्मियों और विभागीय कर्मचारियों के साथ कार्यशाला आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि रोपवे परियोजना को लक्ष्य के अनुरूप दिसंबर, 2024 तक पूर्ण कराने के प्रयास सुनिश्चित किये जाये। इसी प्रकार हनुमान मंदिर स्थली का निर्माण कार्य भी नवंबर, 2024 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्य कर नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री अजय चौहान, मेला अधिकारी श्री विजय किरन आनंद समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

प्रत्याशी को परिणाम के 30 दिन के अंदर देना होगा लेखा-जोखा

जिला निर्वाचन अधिकारी के पास दाखिल करनी होगी निर्वाचन व्ययों के संबंध में लेखे की सही प्रतिलिपिः रिणवा

लखनऊ,जीएनएस। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-78 के तहत निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक प्रत्याशी को निर्वाचनों के परिणाम घोषित होने के 30 दिन के अंदर अपने जिला निर्वाचन अधिकारी के पास अपने निर्वाचन व्ययों के संबंध में लेखे की सही प्रतिलिपि दाखिल करनी होगी। बिना किसी ठोस कारण के निर्धारित समय सीमा के अंदर निर्वाचन व्ययों का लेखा-जोखा दाखिल करने में असफल रहने पर संबंधित प्रत्याशी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम- 1951 की धारा-10(क) के तहत आदेश जारी किए जाने के दिनांक से 03 वर्ष के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा- 77(1) के तहत लोकसभा या विधानसभा के प्रत्येक प्रत्याशी के लिए उसके नामांकन की तारीख से निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की तारीख तक उसके द्वारा किए गए व्ययों का पृथक-पृथक एवं सही लेखा रखना अनिवार्य होगा। निर्वाचन के दौरान प्रत्याशी द्वारा किया गया व्यय लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-77(3) के अधीन निर्धारित राशि से अधिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान में प्रदेश के प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन व्ययों की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपये तथा प्रत्येक विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र के लिए अधिकतम 40 लाख रुपये निर्धारित है। प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन में निर्धारित सीमा से अधिक व्यय किया जाना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(6) के अंतर्गत भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रत्याशी को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-10(क) के अंतर्गत आयोग द्वारा आदेश निर्गत किये जाने की तिथि से 03 वर्ष के लिए निहर्रित किया जा सकता है और आईपीसी की धारा-171(अ) के अंतर्गत जुर्माने से भी दण्डित किया जा सकता है। निर्वाचन व्यय की सीमा से अधिक व्यय किये जाने की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-8ए के अंतर्गत भ्रष्ट आचरण का दोषी पाये जाने पर मा0 उच्च न्यायालय द्वारा 06 वर्ष तक निहर्रित किया जा सकता है तथा संबंधित निर्वाचन भी निरस्त किया जा सकता है। सम्प्रति आयोग की अद्यतन सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य के 121 व्यक्तियों को निर्वाचन लड़ने के लिए निहर्रित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन व्ययों संबंधी विभिन्न सामग्रियों की दरों को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सर्व सहमति से निर्धारित कर दिया गया है, जो जिला निर्वाचन कार्यालयों में उपलब्ध हैं। निर्धारित दरों के आधार पर ही जिला निर्वाचन कार्यालयों में अभ्यर्थियों हेतु अनुरक्षित किये गये छाया प्रेषण रजिस्टर में व्यय का अंकन किया जाता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार रिटर्निंग आफिसर तथा व्यय प्रेक्षक द्वारा प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय लेखों के निरीक्षण हेतु नामांकन से मतदान तिथि के मध्य तीन तिथियॉ निर्धारित की जाती हैं, जिनमें अभ्यर्थी द्वारा स्वयं अथवा अपने एजेंट के माध्यम से नियत तिथियों में दैनिक व्यय लेखा रजिस्टर का निरीक्षण कराया जाना अनिवार्य है। यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा किसी नियत तिथि में अपना दैनिक व्यय लेखा रजिस्टर निरीक्षण हेतु निरीक्षण कार्यालय नहीं प्रस्तुत किया जाता है तो रिटर्निंग आफिसर द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा कि तीन दिन के भीतर व्यय लेखा प्रस्तुत कर दिया जाए।

संक्षिप्त खबरें...

कांस्टेबल ने व्हाट्सप्प पर लगाया मुख्तार अंसारी का स्टेटस,होगा सस्पेंड

लखनऊ,जीएनएस। यूपी पुलिस के कांस्टेबल द्वारा व्हाट्सएप पर मुख्तार अंसारी से जुड़ा आपत्तिजनक स्टेटस लगाने पर बड़ी कार्रवाई हुई है।विभाग ने कांस्टेबल मोहम्मद फैयाज को सस्पेंड करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांग है।लखनऊ के बीकेटी थाने में तैनात कांस्टेबल मोहम्मद फैयाज ने व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाया था और अपने पोस्ट में लिखा था, शेर को पिंजरे में डालकर धोखे से मारा। अब कांस्टेबल मोहम्मद फैयाज को सस्पेंड करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

राजधानी में अचानक बदला मौसम, चल रहीं धूल भरी तेज हवाएं-वाहन पर गिरा पेड़

लखनऊ,जीएनएस। राजधानी में दोपहर को मौसम अचानक बदल गया है। यहाँ दोपहर में तेज धूल भरी हवाएं चलने लगी हैं। इसके चलते आम लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। मौसम में हुए अचानक इस बदलाव को लेकर मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि होली के बाद से ही मौसम बदल गया है। गर्मी और उमस लगातार बढ़ रही है, आज दोपहर का तापमान तकरीबन 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश के कई शहरों में आज और कल हल्की बारिश होने की सम्भावना है। गौरतलब है कि बीते एक हफ्ते से तेज धूप के चलते तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है। वहीँ पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में बर्फबारी और बारिश हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा, लेकिन हल्की बारिश से कुछ राहत की उम्मीद है। तेज हवाओं के बीच राजधानी के अलीगंज क्षेत्र के सेक्टर एल में एक पेड़ जड़ से उखड़ गया। पेड़ सड़क से गुजर रहे एक वाहन पर गिर गया। इस दुर्घटना में ड्राइवर घायल हुआ है, जिसे अस्पताल ले जाया गया है।

ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक को मारी टक्कर,हादसे में भाई बहन की मौत

लखनऊ,जीएनएस।बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के आउटर रिंग रोड पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक को रौंद दिया। रविवार देर शाम हुई इस दुर्घटना में बहन की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा भाई की हालत गंभीर देखते हुए इलाज के लिए ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। बीकेटी के प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रैथा बीरमपुर गांव निवासी 21 वर्षीय अमित कश्यप रविवार को 19 वर्षीय बहन सीमा कश्यप के साथ शिवपुरी गांव से थ्रेसर से सरसों की फसल काटने गए थे। देर शाम भाई-बहन बाइक से घर लौट रहे थे।हरदौरपुर गांव के पास आउटर रिंग रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने अमित की बाइक में टक्कर मार दी। इससे भाई-बहन सड़क पर गिर गए। सीमा ट्रैक्टर से कुचल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीमा और अमित को सौ बेड के अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने सीमा को मृत घोषित कर दिया। घायल अमित को ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। मगर रास्ते में ही अमित की भी मौत हो गई। दुर्घटना के संबंध में बख्शी का तालाब थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है। ला एंड ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है।

लखनऊ में इमारत से गिरकर कर्मचारी की मौत, बिना सेफ्टी किट कर रहा था काम

लखनऊ,जीएनएस। राजधानी के अलीगंज इलाके में एक कर्मचारी की इमारत की छत से गिरकर मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि ये कर्मचारी छत पर लगाए सोलर पैनल को साफ करने गया था। बताया जा रहा है कि उसे वहां काम करने के लिए बिना किसी सेफ्टी किट के ही भेज दिया गया, जिसके चलते ये हादसा हुआ। ये कर्मचारी कपूरथला स्थित बटर स्टोरी प्रतिष्ठान की इमारत की छत पर लगे सोलर पैनल को साफ करने के दौरान हादसे का शिकार हुआ है। ये पूरी घटना जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते घटित हुई है।

फीनिक्स यूनाइटेड विमेंस प्रीमियर लीग में दिखा महिलाओं का क्रिकेटिंग कौशल

लखनऊ,जीएनएस।महिला दिवस समारोह के तहत फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ द्वारा फीनिक्स यूनाइटेड महिला प्रीमियर लीग के सीजन 3 का आयोजन किया गया। 8 मार्च से प्रत्येक सप्ताहांत में 5 खिलाड़ियों की 26 टीमों के बीच कुल 90 क्रिकेट मैच खेले गए द्य इसमें स्कूल, कॉलेज और क्लब तीन कैटेगरी बनाई गई थी। जिसमें स्कूल कैटेगरी में जीसीआरजी स्कूल, क्लब कैटेगरी में ज्योति क्लब व कॉलेज कैटेगरी में नवयुग कॉलेज विजयी रही। फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग द्वारा विजेता टीम को एक भव्य ट्रॉफी व 25000 रुपये व उप विजेता टीम को ट्रॉफी व 15000 का पुरस्कार दिया गया व अन्य प्रतिभागियों को उनकी निपुणता के लिए प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किए गए।फीनिक्स यूनाइटेड महिला प्रीमियर लीग 4 हफ्ते तक चलने वाला इनडोर क्रिकेट टूर्नामेंट था। हर शनिवार और रविवार को तीन हफ्तों तक क्वालीफायर मैच खेले गए। चैथे वीकेंड में, प्रत्येक समूह की टॉप रैंकिंग टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले हुए और फाइनल रविवार के दिन खेला गया। पीयूडब्ल्यूपीएल 24 के दौरान सभी टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया और एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी।

चुनाव आयोग ही लगा सकता है भविष्य में ईडी, सीबीआई और आईटी के दुरुपयोग पर लगामः अखिलेश यादव

लखनऊ,जीएनएस। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई और आईटी (आयकर विभाग) के दुरुपयोग पर लगाम लगा सकता है और जब लोकतंत्र बचेगा तभी आयोग की गरिमा और प्रतिष्ठा भी बची रहेगी। अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अंग्रेजी में ईडी, सीबीआई और आईटी के शुरुआती अक्षरों को जोड़ते हुए ईसीआई यानी इलेक्शन कमीशन आफ इंडियाश् (भारत निर्वाचन आयोग) का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जिस तरह ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के आगे के पहले अक्षरों को मिलाकर ईसीआई बनता है वो दरअसल इस बात का सकारात्मक इशारा है कि इलेक्शन कमीशन आफ इंडिया ही उम्मीद की वो किरण है जो भाजपा सरकार द्वारा ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के दुरुपयोग पर आगे से लगाम लगा सकता है। उन्होंने कहा, आज से हम 2024 के शुरुआती चुनावी महीने में प्रवेश कर रहे हैं। आशा है चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाते हुए बेलगाम-बेईमान सरकारी तंत्र को सक्रिय नहीं होने देगा और हमेशा की तरह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए ढाल बनेगा। जब लोकतंत्र बचेगा तभी चुनाव आयोग की गरिमा और प्रतिष्ठा भी बची-बनी रहेगी। उन्होंने कहा, "चुनाव आयोग को निर्भय होकर निष्पक्ष चुनाव कराने एवं सभी दलों को बिना किसी पक्षपात और भेदभाव के, चुनाव लड़ने के बराबर मौके देने के लिए हार्दिक शुभकामनायें। निष्पक्ष चुनाव, चुनाव आयोग की जीत होगी। सपा भाजपा पर सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग के दुरुपयोग का लगातार आरोप लगा रही है। उसका इल्जाम है कि भाजपा अपने विरोधियों को डरानेकृधमकाने के लिये इन सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। मतों की गिनती चार जून को की जाएगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा,

न्यायपालिका को निष्प्रभावी बनाने की कोशिश कर रही भाजपा सरकार

लखनऊ,जीएनएस। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि अराजकता के रास्ते पर चल पड़ी सरकार को न्यायपालिका में यकीन नहीं है। इसलिए जो न्यायपालिका को करना चाहिए, वह भी सरकार ही कर रही है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने सजायाफ्ता रहे पूर्व बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी की मृत्यु के बाद रविवार को गाजीपुर में उसके परिजन से मुलाकात की। मौर्य ने कहा, मुख्तार अंसारी के साथ जो घटना घटित हुई है, वह वाकई में अत्यंत दर्दनाक और अमानवीय है। जैसा कि वहां जाने पर परिवारजनों के माध्यम से पता लगा कि जेल में साजिश के तहत उनको खाने के साथ जहर दिया जा रहा था। इस तरीके से कुल मिलाकर आज उत्तर प्रदेश की सरकार अराजकता के रास्ते पर चल रही है। सरकार को खुद न्यायपालिका में यकीन नहीं है। उन्होंने कहा, अगर यह मान भी लिया जाए कि कोई अपराधी है तो अपराध और अपराधी का निर्णय न्यायपालिका करती है कि अपराध में किसको कौन सा दंड देना है। यह मैं मानता हूं कि वह अपराधी हो सकते हैं लेकिन सरकार को किसी को मारने का अधिकार नहीं है। सरकार ने यहां पर न्यायपालिका की भी अवहेलना की है, न्यायपालिका को निष्प्रभावी करने की कोशिश की है और अराजकता की बिना पर उन्हें जहर देकर मारने का अपराध भी किया है जैसा कि परिवारजनों ने आरोप लगाया है, इसलिए इस पूरे प्रकरण की जांच उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश की देखरेख में ही होनी चाहिए, जिससे सही मायने में सच क्या है, इसका खुलासा हो सके। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि, पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। कानून व्यवस्था से लोगों का विश्वास उठ चुका है। सरकार से न्याय की उम्मीदें खत्म हो चुकी है और यही कारण है कि मुख्तार अंसारी के मामले में लोगों में जो आक्रोश है वह उनके जनाजे के वक्त दिखाई पड़ा। लाखों का हुजूम जिस तरह उमड़ पड़ा, वह बुलाई हुई भीड़ नहीं थी। वह संवेदनाओं से भरी भीड़ थी। मऊ से पांच बार विधायक रहे बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी की बृहस्पतिवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

हाउस टैक्स से नगर निगम ने 425 करोड़ रुपए वसूले

जोन 4 और 2 से हुई सबसे ज्यादा वसूली, इंस्पेक्टर होंगे सम्मानित

लखनऊ,जीएनएस।हाउस टैक्स वसूली के मामले में नगर निगम लखनऊ ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वित्तीय वर्ष मे नगर निगम की टीम ने 425 करोड़ 47 लाख 81 हजार 809 रुपए की वसूली की है। 92 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली कर नगर निगम जोन चार पहले स्थान पर रहा। जबकि 88 करोड़ रुपए के साथ जोन - 8 दूसरे नंबर पर रहा। दोनों ही जोन को जोड़कर 180 करोड़ रुपए की वसूली हुई है। दो ही जोन ऐसे रहे जहां से 50 फीसदी से ज्यादा वसूली हुई। इसमें जोन चार से 65 फीसदी जबकि जोन आठ से 51 फीसदी की वसूली हुई है। कम वसूली के मामले में जोन दो का नंबर रहा। ऐशबाग और राजाजीपुरम जैसे इलाके इसमें यहां से आते है। जोन दो से सबसे कम 15 करोड़ 85 लाख रुपए की वसूली हुई है। इसके बाद कम वसूली के मामले में जोन 5 का नंबर रहा। यहां से 20 करोड़ 80 लाख रुपए की वसूली हुई है। इस दौरान करीब 38 करोड़ रुपए ब्याज के तौर पर नगर निगम को मिले हैं। अब 31 मार्च के बाद पुराना हाउस टैक्स जमा करने वाले लोगों को 12 फीसदी का ब्याज देना होगा।हाउस टैक्स वसूली के लिए सभी अपर नगर आयुक्तों को जिम्मेदारी दी गई थी। इस दौरान उनको दो-दो जोन दिया गया था। इस मामले में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में जोन-4 का पहला स्थान रहा। जबकि अपर नगर आयुक्त डॉक्टर एके राव के जोन 8 और जोन 6 से भी अच्छी वसूली हुई है। दोनों ही अपर के जोन के कर्मचारियों ने केक काट जश्न मनाया।जोन चार में केक रात 12 बजे के बाद काटा गया। इस दौरान आरआई इमरान, उबैदुर रहमान, आशीष कुशवाहा, शालिनी त्रिपाठी, नुपूर यादव, कर अधीक्षक अनुराग उपाध्याय, विजय शंकर,गुरु सिंह, अखिलेश सिंह, गौरव शर्मा, शैलेन्द्र सक्सेना, ओमकार राजभर, हिमांशु श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद रहे। इसके अलावा जोन 8 में जोनल अधिकारी अजीत राय और डीएस दुबे के नेतृत्व में केक काटा गया। नगर निगम में सबसे ज्यादा वसूली करने वाले इंस्पेक्टर को सम्मानित किया जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा पैसा नगर निगम जोन 4 के इंस्पेक्टर इमरान ने वसूला है। पिछले दिनों जब कोई भी इंस्पेक्टर एक दिन में 50 घर से टैक्स नहीं ला पा रहा था। उस समय भी इमरान ने एक-एक दिन में 150 से ज्यादा घरों से टैक्स वसूला था। इसके अलावा जोन - 8 से डीएस दूबे को भी सम्मानित किया जाएगा। दोनों ही कर्मचारियों को अप्रैल के महीने में सम्मानित किया जाएगा। इमरान ने जोन चार में करीब 30 करोड़ रुपए की वसूली की है।

मेडिकल कॉलेज जा रही डॉक्टर को ट्रक ने कुचला, मौके पर ही दर्दनाक मौत

लखनऊ,जीएनएस।राजधानी लखनऊ के मड़ियांव के आईआईएम रोड पर सहारा सिटी होम्स के पास सोमवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार डॉक्टर दीक्षांविता (32) को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक के नीचे आने से दीक्षांविता की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। मृतका हेलमेट पहने हुए थी।इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि आई आई एम रोड स्थित सहारा सिटी होम्स निवासी डॉक्टर दीक्षांविता केजीएमयू के दंत विभाग में कार्यरत हैं। वह सुबह करीब 8:30 बजे मेडिकल कॉलेज के लिए अपनी स्कूटी से निकली।कुछ ही दूर पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दीक्षांविता ट्रक के नीचे आ गई। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वही, चालक मौके से ट्रक छोड़कर भाग गया। सूचना पर मड़ियांव पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अकबरनगर में चल सकता एलडीए का बुलडोजर, 31 मार्च तक घर और दुकान खाली करने का दिया गया था समय

लखनऊ,जीएनएस।अकबरनगर में अब कभी भी एलडीए का बुलडोजर चल सकता है। कोर्ट की तरफ से 31 मार्च तक दी गई मियाद पूरी हो चुकी है। 31 मार्च तक वहां के लोगों को खुद ही घर और दुकान खाली करना था। अगर ऐसा नहीं होता है तो लखनऊ विकास प्राधिकरण कभी भी वहां ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कर सकता है। यहां करीब 11 सौ से ज्यादा आवास और दुकान अवैध तरीके से बने हैं। हालांकि यह पिछले चार दशक से रहते आ रहे है। उस दौरान अवैध होने के बाद भी सड़क, नाली, पानी और बिजली की व्यवस्था दे दी गई। अब शासन ने सभी अवैध निर्माण खाली कराने का फैसला किया है। अवैध निर्माण खाली कराने के साथ-साथ यहां रहने वाले लोगों को पीएम आवास योजना के तहत फ्लैट दिए जा रहे है। इसमें जो अति गरीब तबका है उसको फ्री में रहने के मकान दिया जा रहा है। पिछले दिनों एलडीए ने यहां 25 बड़े शोरूम को तोड़ दिया था। अकबरनगर में मकान और दुकान खाली करने की आखिरी में मियाद भी अब खत्म हो गई है। 31 मार्च के बाद सकं अब कभी भी अकबरनगर में बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर सकता है। इसके अलावा सुल्तानपुर रोड पर मरी माता मंदिर से अर्जुन गैंगस्टर भी लोक निर्माण विभाग दुकान खाली कराएगा। दरअसल, कुकरैल नदी को छोटे रिवर फ्रंट के तौर पर विकसित किया जाना है। इसलिए ये कार्रवाई की जा रही है। अकबरनगर द्वितीय में बंधे के किनारे बनी झोपड़-पट्टियों में रहने वाले लोगों को वसंत कुंज योजना में बनी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर दिया जा रहा है। फिलहाल 5000 रुपए लेकर इनको वहां पर आवास दिया जा रहा है।लोक निर्माण विभाग सड़क चैड़ीकरण के लिए मरी माता मंदिर से सुल्तानपुर रोड को जाने वाली सड़क के दोनों किनारे बुलडोजर चलाएगा। यहां सड़क चैड़ीकरण के लिए करीब 100 से अधिक दुकान और मकान टूटेंगे। लोक निर्माण विभाग ने करीब दो महीने पहले यहां के स्थानीय लोगों को नोटिस भी जारी कर चुका है। 31 मार्च को इसकी अंतिम सीमा खत्म हो रही है। ऐसे में अप्रैल में महीने में विभाग कभी भी कार्रवाई शुरू कर सकता है। हालांकि इसमें पुलिस फोर्स मिले बिना यह कार्रवाई करना संभव नहीं है। चैड़ीकरण का काम 1720 मीटर लंबी सड़क पर होगा। इस दौरान 10 मीटर की चैड़ी सड़क को 20 मीटर चैड़ी किया जाएगा। इसके लिए विभाग की तरफ से 19 करोड़ रुपए का बजट जारी किया गया है। इस दौरान 100 से अधिक दुकानें, मकान आ रहे हैं। घ्घ्बताया जा रहा है कि कई लोगों ने अपने मकान और दुकान के निर्माण के दौरान आगे की जमीन पर कब्जा कर लिया है।

एक गांव में सात लोगों की मौत, ग्रामीण दहशत में

जांच रिपोर्ट आने पर होगा रहस्यम बीमारी का खुलासा

लखनऊ,जीएनएस। रायबरेली में एक ही गांव में 7 लोगों की मौत से मातम फैल गया है। सलोन क्षेत्र के गांव पूरे दांडी में पिछले दो हफ्ते में एक ही परिवार के पांच लोगों समेत सात लोगो की रहस्यमय बीमारी से मौत हो गई।मरने वाले मृतको की उम्र 50 से 65 के बीच के बताई जा रही है। अचानक हो रही मौतों से गांव मे डर का माहौल है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग की। सलोन क्षेत्र के ममुनी ग्राम सभा स्थित पूरे दांडी गांव निवासी वृद्ध जगदीश मौर्य की आठ मार्च को मौत हो गई थी। सीएमओ डॉ वीरेंद्र सिंह ने कहा, मामले की जांच करवाई जाएगी। सीएमओ ने मानना है कि किसी गंभीर की बीमारी की वजह से मौत हुई है। मामले की जांच जारी है।सीएचसी अधीक्षक का कहना है कि गांव के लोगों की जांच कराई जा रही है। पांच लोगों की मौत किसी न किसी बीमारी से हुई है। सलोन क्षेत्र के ममुनी ग्राम सभा स्थित पूरे दांडी गांव निवासी जगदीश मौर्य (65) की आठ मार्च को मौत हो गई थी। इसी परिवार के शिव बहादुर की 17 मार्च को, ठाकुरदीन की 26 मार्च को, राम नारायण की 28 मार्च और रामेश्वर की 30 मार्च को मौत हो गई। मरने वाले सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। गांव से सटे पूरे जुड़ावन का पुरवा गांव में 19 मार्च को राम कुमार पासी और 22 मार्च को राज लाल पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। एक के बाद एक हो रहीं मौतों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की सयुंक्त टीम ने गांव का दौरा किया। इसके बाद दवा का छिड़काव कराया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. भावेश कुमार का कहना है कि ग्रामीणों की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव गई हुई थी। सभी मृतक किसी न किसी बीमारी से ग्रसित थे। उन्हें पांच मौतों की ही सूचना मिली थी, फिर भी गांव में लोगों की जांच कराई गई है। रिपोर्ट आने पर ही मौतों की वास्तविक स्थिति साफ हो सकेगी।

युवा मतदाताओं की मैराथन का आयोजन, पहले मतदान फिर जलपान के संकल्प के साथ हुई आयोजित

मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर ने दिखाई मैराथन को झंडी

बहराइच,जीएनएस।''जागो रे जागो मतदाता'' लोकसभा सामान्य निर्वाचन के मतदान में जनपद के शत-प्रतिशत नवीन व युवा मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर जिला मुख्यालय पर आयोजित ''नवीन मतदाता मैराथन'' को नोडल अधिकारी (स्वीप) मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. ने हरी झण्डी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया। नवीन मतदाता मैराथन कलेक्ट्रेट से रवाना होकर पानी टंकी, जेल रोड, पुलिस लाईन से श्री गुरूनानक चैक होते हुए इन्दिरा गांधी स्टेडियम, बहराइच में सम्पन्न हुई। रैली में शामिल छात्र-छात्राएं नारा लगा रहे थे कि युवाओं का मतदान है बढ़ाना, मतदान का प्रतिशत है उठाना, लोकतंत्र सशक्त बनेगा अपना, यह बात है जन-जन को समझाना। लोकतंत्र की शान है मतदान, महिलाओं का अभिमान है मतदान, युवाओं का अधिकार है मतदान, सभी की आशाओं का सम्मान है मतदान ''चुनाव लोकतंत्र की धरोहर, इसमें मतदान की आयी लहर मनोहर, सूझ-बूझ से करें मतदान, यही है स्वतंत्रता का उपहार, सभी के खुश रहने का यही है एकमात्र सुविचार, लोगों को वोट का महत्व बताना है, मतदान को शत-प्रतिशत बनाना है, जिससे देश में हो सुशासन का निर्माण, और बनी रहे लोकतंत्र की शान''। रैली के समापन अवसर पर इन्दिरा स्टेडियम में मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर ने मौजूद लोगों को मतदाता शपथ दिलायी। इस अवसर पर सीडीओ ने सभी मौजूद लोगों विशेषकर छात्र-छात्राओं का आहवान्ह किया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में शत-प्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए स्वयं तो मतदान करें हीं साथ ही अपने परिवार ईष्ट मित्रों को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें।

लोकसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल के अधिकारियों की बैठक

शांतिपूर्ण तरीके मतदान कराने व अन्य बिंदुओं पर हुई चर्चा, कहा- छोटी से छोटी घटनाओं को भी गंभीरता से लें

बहराइच,जीएनएस।लोकसभा चुनाव को शान्तिपूर्वक कराने के उद्देश्य से रूपईडीहा स्थित इन्टीग्रेटेड चेक पोस्ट सभागार में एडीजी जोन गोरखपुर डॉ. केएस प्रताप कुमार की वर्चुअली अध्यक्षता तथा डीआईजी देवीपाटन मण्डल गोण्डा अमरेन्द्र प्रसाद सिंह व डीआईजी एसएसबी जेडी वशिष्ठ की उपस्थिति में इण्डो-नेपाल को-आर्डिनेशन बैठक हुई। बैठक में देवीपाटन मण्डल गोण्डा के आयुक्त योगेश्वर राम मिश्रा, लखनऊ रेंज के आईजी, पीलीभीत व बलरामपुर के डीएम व लखीमपुर के पुलिस अधीक्षक ने वर्चुअली प्रतिभाग करते हुए लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए की गई तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की। इसके अलावा नेपाल के अन्य सीमावर्ती जनपदों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी बैठक में वर्चुअली प्रतिभाग किया गया। बैठक

के दौरान इण्डियन साइड के वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए नेपाल साइड के समकक्ष अधिकारियों से पूर्व की भांति सहयोग की अपेक्षा की गई। बैठक के दौरान डीएम बहराइच मोनिका रानी ने सुझाव दिया कि भारत-नेपाल की खुली हुई सीमा के वन क्षेत्र से आच्छादित होने के कारण संवेदनशील और निकासी रास्तों पर दोनों ओर से विशेष चैकसी रखने की आवश्यकता है। आयुक्त देवीपाटन मण्डल, गोरखपुर जोन के एडीजी, आईजी लखनऊ जोन तथा डीआईजी एसएसबी द्वारा सुझाव दिया गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में राजस्व, वन, पुलिस, एसएसबी की संयुक्त टीम गठित कर नियमित गश्त की कार्यवाही की जाय। बैठक के दौरान नेपाल साईड के अधिकारियों को सुझाव दिया गया कि मतदान के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार भारत नेपाल की सीमा को सील किये जाने की तिथियों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाय ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भारत व नेपाल साइड के अधिकारियों को सुझाव दिया गया कि चुनाव के समय सीमावर्ती जनपदों में शराब बन्दी को कड़ाई के साथ लागू किया जाय जिससे नेपाली शराब व शस्त्र इत्यादि के आने पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इसके लिए उन्होंने नो मैन्सलैण्ड एरिया से सटे हुए क्षेत्रों में प्रिवेन्टिव एक्शन को कड़ाई से लागू करने का सुझाव दिया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आवागमन के सभी मार्गो पर संयुक्त रूप से विशेष चैकसी बरती जाय। बैठक में नेपाल साइड की ओर से मौजूद अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि लोकसभा चुनाव में हर संभव सहयोग प्रदान किया जायेगा। बैठक अत्यन्त सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस दौरान एएसपी ग्रामीण डॉक्टर पवित्र मोहन त्रिपाठी, एसडीएम, सीओ राहुल पांडेय, एसएसबी के अधिकारी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें...

जेल पहुंचे जांच अधिकारी, मुख्तार की बैरक सील

बांदा,जीएनएस।मुख्तार अंसारी को दफनाए जाने के साथ ही उसकी मौत की न्यायिक व मजिस्ट्रेटी जांच भी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, जिला जज डॉ. बब्लू सारंग, अपर मुख्य न्यायाधीश गरिमा सिंह, एसपी अंकुर अग्रवाल और एडीएम राजेश कुमार टीम के साथ दोपहर करीब एक बजे मंडलीय कारागार पहुंचे। एक घंटे की जांच के दौरान टीम ने मुख्तार की बैरक, वहां लगे आठ सीसीटीवी कैमरे व उसकी दवाओं के पर्चों की जांच की। सूत्रों का दावा है कि टीम ने मुख्तार की बैरक को सील कर दिया है और एक से डेढ़ महीने तक के कैमरे के फुटेज कब्जे में ले लिए हैं। बता दें कि मुख्तार की मौत के बाद ही दोनों तरह की जांच के आदेश जारी दिए गए थे। मुख्तार को शनिवार को दफनाए जाने के तुरंत बाद अधिकारियों का काफिला मंडलीय कारागार पहुंच गया। सूत्रों के अनुसार जेल के भीतर जांच टीम ने जेल अधीक्षक, जेलर व कर्मचारियों से पूछताछ की। मुख्तार की बैरक देखी और वहां लगे आठों सीसीटीवी कैमरों से तकरीबन एक माह के फुटेज भी निकलवाए। हाल में कितने लोग, कब-कब मुख्तार से मिलने पहुंचे, मुख्तार ने सप्ताह भीतर क्या खाया और पिया सभी तहर की जानकारी ली। हालांकि जांच के बारे में अधिकारियों ने किसी से कुछ भी बताने से साफ इन्कार कर दिया। जेल सूत्रों की मानें तो जो रसोइया मुख्तार को खाना बनाकर देने जाता था। उसके भी गले में एक कैमरा लटका रहता था। ताकि उसकी एक-एक हरकत पर नजर रखी जा सके। इस हालात में कहीं पर भी गड़बड़ी की आशंका बहुत ही कम मानी जा रही है। मुख्तार को पेट की तकलीफ तो थी। सूत्रों के अनुसार इसका पता इस बात से भी चलता है कि जब भी कोई डॉक्टर उसे देखने जेल जाता था तो वह अपने दोनों हाथ पेट पर रखकर कहता था, इसका कुछ करो डॉक्टर साहब, यह पेट तो लगता है कि जान ही लेकर छोड़ेगा। सूत्रों का दावा है कि टीम ने मुख्तार की बैरक को सील कर दिया है और एक से डेढ़ महीने तक के कैमरे के फुटेज एकत्र किए हैं। इसके अलावा उसकी दवाइयों के सारे पर्चे और फाइल भी साक्ष्य के तौर पर अपने साथ ले गई है।

मेडिकल कॉलेज में मरीज ने किया सुसाइड,तीसरी मंजिल से लगाई छलांग

उरई/जालौन,जीएनएस।जालौन के उरई स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक मरीज ने सोमवार को मेडिकल कॉलेज की तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाला मरीज लीवर की समस्या से जूझ रहा था, जिसने बाथरूम जाने के बहाने यह कदम उठाया है। घटना से राजकीय मेडिकल कॉलेज में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने जांच करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना उरई कोतवाली क्षेत्र के कालपी रोड स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज की है। मेडिकल कॉलेज में रामपुरा थाना क्षेत्र ग्राम मजीठ का रहने वाला लालजी उर्फ रेशु (30) पुत्र ब्रजेश कुशवाहा भर्ती था। रेशू जयपुर में मजदूरी करता था, पर कुछ माह से वह बीमार रहने लगा था, जिस वजह से वह अपने गांव वापस आ गया था। उसके परिजन उसका झांसी इलाज कराने लेकर गए, जहां पता चला कि लालजी उर्फ रेशू के लीवर, किडनी अत्याधिक शराब पीने से खराब हो गए हैं।डॉक्टरों ने उसका नियमित इलाज कराने की सलाह देकर घर भेज दिया था, जिसका लगातार इलाज चल रहा था, पर तीन दिन पहले उसकी ज्यादा हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उरई स्थित मेडिकल कॉलेज लेकर आए थे, जहां मेडिकल कॉलेज के वार्ड नंबर 10 में उसको भर्ती करके इलाज किया जा रहा था। उसकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हो रहा था, जिसके चलते सोमवार को वह अपनी मां उषा के साथ वार्ड के टॉयलेट में गया और मां को बाहर खड़ा कर दिया।इस दौरान उसने टॉयलेट की खिड़की से नीचे छलांग लगा दी, जिसमें उसकी गिरने से मौत हो गई। इस घटना से मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज का स्टाफ मौके पर पहुंचा और उसे इमरजेंसी वार्ड में लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने चेकअप करने के बाद मृत घोषित कर दिया। स्टॉफ ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य आरके मौर्य, सीएमएस प्रशांत निरंजन पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचे, जहां जांच पड़ताल की गई। मृतक की मां उषा का कहना है कि मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा था। सुबह के वक्त उसके बेटे को नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाया गया, जिससे उसका बेटा घबरा गया। इस दौरान बेटे ने टॉयलेट कराने की बात कही, जहां से टॉयलेट की खिड़की से कूदकर आत्महत्या कर ली।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

उरई/जालौन,जीएनएस।जालौन में सोमवार को झांसी कानपुर नेशनल हाईवे 27 पर तेज रफ्तार ट्रक ने आगे जा रहे बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी मौके पर मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। हादसे, की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने मृतक की पहचान करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यह सड़क हादसा कालपी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांसी कानपुर नेशनल हाईवे 27 स्थित चैहान ढाबा के पास हुआ। यहां कानपुर देहात के देवराहट थाना क्षेत्र के तेलूपुर के रहने वाले रामदीन सचान (40) पुत्र शांति स्वरूप एक रिश्तेदारी में उरई आए हुए थे और वह अपनी बाइक से सोमवार की सुबह तकरीबन 10 बजे के करीब कालपी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांसी कानपुर नेशनल हाईवे 27 स्थित चैहान ढाबा के पास पहुंचे तभी वेस्ट बंगाल से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

ड्यूटी काटने से नाराज पीआरडी जवानों ने बहराइच में घेरा कलेक्ट्रेट ऑफिस

बहराइच,जीएनएस।जिले के होमगार्ड जवान सोमवार को शहर के

कलेक्ट्रेट पहुंच गए। बड़ी संख्या में पीआरडी जवानों ने विभिन्न मांगों को लेकर घेराव किया। प्रदर्शन के बाद नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। कलेक्ट्रेट पहुंचे पीआरडी जवानों ने कहा कि उनकी ड्यूटी काट दी गयी है। वही मानदेय भी सही समय पर नही मिल पा रहा है, जिससे आर्थिक संकट से भी जूझना पड़ रहा है। ड्यूटी काटे जाने व मानदेय सही समय पर न मिलने से नाराज बड़ी संख्या में जुटे पीआरडी जवानों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा है। जिसमे कहा गया है कि जवानों की ड्यूटी पूर्व में 80 प्रतिशत तक लगाई जाती थी। जनवरी माह में लखनऊ मुख्यालय से आदेश था कि डीएम से अनुमोदन कराकर सभी जवानों को शत प्रतिशत ड्यूटी पर लगाया जाए, मगर अप्रैल माह लगते ही ड्यूटी को घटाकर आधी कर दी गयी है। जिससे उनपर आर्थिक संकट उतपन्न हो गया है। पीआरडी जवानों का कहना है कि अगर एक सप्ताह में उनकी मांगे पूरी नही होती है तो आमरण अनशन करने को बाध्य होंगे, जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस दौरान काफी संख्या में पीआरडी जवान मौजूद रहे।

गमछा बिछाकर सड़क पर सो गया नशेड़ी

बस्ती कलवारी थाना क्षेत्र के लुंबिनी-दुद्धी मार्ग के कुसौरा बाजार में एक नशेड़ी सुबह करीब 11 बजे सड़क पर ही गमछा बिछा कर सो गया। इससे काफी देर तक यातायात बाधित हो गया। आसपास के लोगों ने हटाने का प्रयास किया तो उनसे उलझ गया। लोगों से कहने लगा कि उसकी जमीन बैनामा करा कर पैसा नहीं दे रहे हैं। कलाम निवासी कुसौरा थाना कलवारी ने बताया कि दोस्ती में जमीन बैनामा कराकर पैसा बकाया कर दिया। मांगने पर दे नहीं रहे हैं। पिछले कई दिन से पंचायत कर रहे हैं। उसी टेंशन में वह शराब पीकर सड़क पर लेट गया। थानाध्यक्ष कलवारी भानुप्रताप सिंह ने बताया कि सड़क पर किसी लेटने की जानकारी नहीं मिली और न ही जमीन बैनामा कर पैसा न देने के बारे में भी कोई सूचना दी गई है।

नारी को लजाओ मत, गंदे चित्र लगाओ मत- जैसे जयघोष के साथ निकली कलश यात्रा

बहराइच,जीएनएस।नारी का सम्मान जहाँ है,संस्कृति का उत्थान वहाँ है नारी को लजाओ मत,गंदे चित्र लगाओ मत,जैसे जयघोष के साथ सैकड़ों पीत वस्त्रधारी महिलाओं ने भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली।गायत्री नव चेतना विस्तार केंद्र भूपगंज बाजार के तत्वावधान में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद प्रज्ञा पुराण कथा एवं गायत्री महायज्ञ का भव्य शुभारंभ सोमवार को कलश शोभायात्रा के साथ सम्पन्न हुआ। सैकड़ों पीत वस्त्र धारी महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर नारी शक्ति जागेगी,जागेगी जागेगीष्युग निर्माण कैसे होगा,व्यक्ति के निर्माण सेष्जैसे जयघोष करते हुए नगर क्षेत्र के बारीपुरवा, नट टोला,मसूदपुर चैराहे के रास्ते सोसायटी तिराहा होते हुए यज्ञ स्थल पर पहुँची,जहाँ विद्वान पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश को स्थापित किया गया। गायत्री नव चेतना विस्तार केंद्र के परिव्राजक ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने बताया कि एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम में प्रतिदिन सुबह गायत्री महायज्ञ और सायं काल में शांतिकुंज हरिद्वार से आये हुए कथावाचक सत्यनारायण जी की टोली के द्वारा संगीतमय श्रीमद प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन होगा।कलश शोभा यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने में पुलिस प्रशासन का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर गायत्री परिवार के मालिकराम शर्मा,राजेश तिवारी,पुल्ली शुक्ला,महाराजदीन वर्मा,ईश्वरदीन सिंह,संतोष सिंह,गुड़िया शुक्ला, ऋचा शुक्ला,मनोज सोनी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

ग्रामीण की सिर कूचकर हत्या,शव के पास मिली शराब की बोतलें

सिर पर मिले गहरी चोट के निशान

उरई/जालौन,जीएनएस।जालौन में सोमवार को एक 50 वर्षीय ग्रामीण की सिर कूचकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी तब हुई जब स्थानीय लोग वहां से निकले और उन्होंने एक पंचर की दुकान के बाहर खून से लथपथ शव देखा, तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जालौन कोतवाली पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची, जिन्होंने मामले की जांच करते हुए शव की शिनाख्त और साक्ष्य को एकत्रित कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना जालौन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सहाव मोड़ स्थित ग्राम भदवा स्टैंड के समीप बनी पंचर की दुकान की है। जहां सोमवार सुबह के वक्त एक 50 वर्षीय ग्रामीण का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला, जिसके सिर पर गहरी

चोटें थी, शव को खून से लथपथ देख मॉर्निंग वॉक के लिए निकले ग्रामीण दहशत में आ गये, जिन्होंने अन्य ग्रामीणों के साथ पुलिस को सूचना दी। हत्या की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गयी, वही शव मिलने की जानकारी मिलते ही जालौन जालौन सीओ राम सिंह, पुलिस व फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जिन्होंने फॉरेंसिक टीम की मदद से मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि उसकी सिर कूच कर बेरहमी से हत्या की गई, पुलिस को आसपास शराब की बोतल भी मिली, जिससे आशंका जताई जा रही है कि शराब पीने के दौरान ही झगड़ा हुआ हो और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई हो। पुलिस ने उसकी शिनाख्त जालौन कोतवाली के ग्राम सहाव के रहने वाले रामकुमार उर्फ फक्कड़ (50) पुत्र चिंतामन के रूप में की, साथ ही परिजनों को इस बारे में अवगत कराया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस घटना के बारे में जालौन के सीओ रामसिंह ने बताया कि सहाव मोड़ के पास ग्राम भदवा में एक पंचर की दुकान में रामकुमार उर्फ फक्कड़ का शव मिला है, प्रथम दृष्ट्या उसकी ईट से सिर कुचलकर हत्या की गई हैउन्होंने बताया कि रामकुमार यहां वहां लोगों से पैसे मांग कर अपना पेट भरता था और शराब पीने का आदि भी था। रात के वक्त शराब पीने के दौरान उसका विवाद हुआ हो, जिस कारण उसकी हत्या कर दी गई हो। उन्होंने इस घटना के एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है, इसके बाद ही इस घटना का खुलासा किया जाएगा, फिलहाल मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्ट वार्ड के लिए भेज दिया है।

इलेक्ट्रिनिक और फर्नीचर की दुकानों में लगी आग,50 लाख का सामान जलकर खाक

उरई/जालौन,जीएनएस।जालौन में रविवार देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण दो दुकानों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इलेक्ट्रॉनिक और फर्नीचर का लाखों रुपए का सामान जलाकर खाक कर दिया। आग की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिन्होंने कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया, मगर दुकानों में रखा 50 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर खाक हो चुका था। आग लगने की घटना कालपी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला टरननगंज की है। इस इलाके में कालपी कस्बे के रहने वाले विकास माथुर और चंद्रपाल यादव संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिक और फर्नीचर की दुकान खोले हुए थे, रविवार देर उनकी दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में आग लग गई। यह आग धीरे-धीरे बढ़ती गई और बगल में बनी फर्नीचर की दुकान तक जा पहुंची, जिस कारण आग की लपटे तेजी से बढ़ गई और दोनों दुकानें धू धू कर जल उठी। आग की लपटें देख आस पास रहने वाले लोग दहशत में आ गए, जिन्होंने तत्काल इस घटना के बारे में दमकल और पुलिस कर्मियों को सूचना दी।बाजार में आग लगने की जानकारी जैसे ही दमकल कर्मियों को हुई, दमकल कर्मी दो गाड़ियां लेकर मौके पर पहुंचे, जिन्होंने कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया, साथ ही दुकान मालिकों को इस बारे में अवगत कराया। सूचना मिलते ही दुकान मालिक मौके पर पहुंचे, जिन्होंने आग से जली हुई दुकानों का मुआयना किया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक दुकान के मालिक विकास माथुर ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक और फर्नीचर की दोनों दुकानों में 50 लाख रुपए से अधिक का सामान रखा हुआ ठाक जो पूरी तरह जलकर खाक हो गया है, साथ ही इसका और आकलन किया जा रहा है। वही दमकल कर्मियों ने बताया कि आग भीषण लगी हुई थी, जिसे 4 घंटे की कड़ी में मशक्कत के बाद ही बुझाया जा सका।

धारदार हथियार से हमला कर बुजुर्ग की हत्या

ग्रेटर नोएडा,जीएनएस। उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक दिल दहला देने

वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई है। पुलिस को सोमवार सुबह गौतबुद्धनगर जिले के जेपी अमन सोसायटी के पास बुजुर्ग का शव लहूलुहान हालात में मिला। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया, थाना नॉलेज पार्क पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 151 के पास स्थित जेपी अमन सोसायटी से ग्राम कुंडली की ओर जाने वाले रास्ते पर पुलिया के पास एक व्यक्ति का शव लहूलुहान हालात में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान नंदराम (60) के तौर पर हुई है जो मूल रूप से छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रहने वाले थे, लेकिन ग्राम कुंडली में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहते थे और मजदूरी करते थे। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है।

गौतमबुद्धनगर वही जिला है, जो प्रदेश के सीएम के लिए अपशगुन होता थाः योगी

ग्रेटर नोएडा,जीएनएस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज ग्रेटर नोएडा में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि गौतमबुद्धनगर वही जिला है, जो प्रदेश के सीएम के लिए अपशगुन होता था। 2017 से पहले जहां सीएम नहीं आते थे। मैंने जहां का फैसला लिया और जहां आकर समस्याओं को खुद देखा। उन्होंने कहा कि 2014 का भारत समस्या ग्रस्त था। गरीबों, किसानों की हालत खराब थी। सीएम योगी ने कहा कि आज हम नए भारत को देख रहे हैं। आज देश का सम्मान बढ़ा है। 10 साल में नए भारत का दर्शन हुआ है। ये सब पीएम मोदी के मार्गदर्शन से हुआ है। प्रदेश में निवेश का माहौल बन गया है।

25 हजार रुपये का इनामी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

आरोपी पर 26 से ज्यादा मुकदमे दर्ज

नोएडा,जीएनएस। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनर जिला पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपये के इनामी कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार रात को पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की आरोपी से मुठभेड़ हो गई और 30 वर्षीय बदमाश राजेश कश्यप उर्फ भेडा के पैर में गोली लगी। जिसे गिरफ्तार कर पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) विद्यासागर मिश्रा ने बताया कि बीती रात को थाना सेक्टर 39 पुलिस की टीम वाहनों की जांच कर रही थी, तभी सेक्टर 46 रेड लाइट चैराहे के पास बाइक पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया तो टीम ने उसे रुकने का इशारा किया। लेकिन उसने

रुकने के बजाए पुलिस पार्टी पर कथित रूप से गोलीबारी कर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई और एक गोली उसके पैर में लगी। पुलिस के मुताबिक, बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिश्रा ने बताया कि कश्यप की गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित था और इसके पास से एक देसी तमंचा और कारतूस आदि बरामद किया गया है। बदमाश के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न थानों में लूट तथा चोरी के 26 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक- डॉ. वरुण कुमार उपाध्याय द्वारा मीडिया टेक्स्ट प्रा.लि.,जी.टी. रोड रोहनियां, वाराणसी से मुद्रित कराकर एन 8/250 टी 24ए, राजेन्द्र विहार कॉलोनी, सुन्दरपुर, वाराणस-221005 से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक- *प्रवीण कुमार राय*

RNI No. : UPHIN/2023/84879 Mob. - 9335988525 Email : pdnewsvns@gmail.com

समस्त विवादों का निस्तारण वाराणसी न्यायालय के अधीन ही होंगे। खबरों के लिए स्थानीय संपादक जिम्मेदार होंगे।

कितनी भी पार्टियां इकट्ठा कर लो, आएंगे तो मोदी ही

अमित शाह बोले- लोकतंत्र पर बात करने का राहुल गांधी को अधिकार नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी।राहुल गांधी पर कड़ा प्रहार करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता को लोकतंत्र के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है और कहा कि भाजपा पूरी ताकत से सत्ता में आ रही है और देश के लोग नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जोधपुर में विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतंत्र के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है; उनकी दादी ने आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को जेल में डाल दिया, पार्टियों पर प्रतिबंध लगा दिया। बिना नाम लिए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर शाह ने कहा कि जो कोई भी भ्रष्टाचार करेगा वह जेल जाएगा। उन्होंने कहा कि आप कितनी भी पार्टियां इकट्ठा कर लो, आएंगे तो मोदी ही। अमित शाह ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र मोदी ने हमारे सामने '400 पार' का लक्ष्य रखा है और राजग 400 से ज्यादा सीटें जीतेगा तथा 370 से ज्यादा सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। शाह ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है। पहले और दूसरे चरण में राजस्थान की जनता को मतदान करना है और आप सभी को राजस्थान की जनता के पास नरेन्द्र मोदी जी का महान भारत की रचना का संदेश लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि देश में जब त्याग, बलिदान और शौर्य की बात होती है, मेरे राजस्थान का नाम सबसे पहले आता है। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे सामने 400 पार का लक्ष्य रखा है। 400 से ज्यादा सीटें NDA जीतेगा और 370 से ज्यादा सीटें भाजपा जीतेगी।गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जिस में चुनाव नेताओं के दम पर नहीं बल्कि बूथ के कार्यकर्ताओं के दम पर जीते जाते हैं। नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया में देश का झंडा बुलंद करने का काम किया है। इससे समग्र देश की जनता मोदी जी को तीसरी बार चुनकर प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार बैठी है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले देश में ळईं की सरकार थी और देश के भविष्य को सोनिया-मनमोहन ने अंधकारमय बना दिया था। 2014 में देश और राजस्थान की जनता ने मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने का काम किया और 10 साल में मोदी जी ने देश के अंदर हर क्षेत्र में परिवर्तन लाने का काम किया है।उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध बनाने का काम किया है। मैं आज मोदी की गारंटी आपको बताने आया हूं। मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, भारत दुनिया में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ढेर सारे काम किए हैं। 10 साल में हर सप्ताह 1 नई यूनिवर्सिटी खोलने का काम मोदी जी ने किया है। हर दिन 37 स्टार्टअप रजिस्टर्ड करने का काम मोदी जी ने किया है। भारत में हर दिन 16 हजार करोड़ रुपये के UPI ट्रांजेक्शन होते हैं। भारत में हर दिन 14 किमी रोड बनती है। भारत में हर दिन गैस के 50 हजार कनेक्शन देने का काम मोदी जी ने किया है। हर सेकंड एक घर को नल का कनेक्शन देने का काम भी मोदी जी और भाजपा ने किया है।

आज उत्तराखंड के दौरे पर आएंगे मोदी, रुद्रपुर में चुनावी सभा को करेंगे संबोधित

नैनीताल,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को उत्तराखंड के दौरे पर आएंगे और ऊधम सिंह नगर के रुद्रपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं प्रधानमंत्री का राज्य का यह तीसरा दौरा है।मोदी रुद्रपुर में चुनावी जनसभा के माध्यम से न केवल तराई और पहाड़ के मतदाताओं को एक साथ साधने की कोशिश करेंगे बल्कि तराई से सटे उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को भी संदेश देंगे। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। पार्टी के बड़े नेताओं ने रुद्रपुर में डेरा डाला हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का स्वयं जायजा ले चुके हैं। पार्टी की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया।प्रधानमंत्री दोपहर 12 बजे यहां प्रसिद्ध मोदी मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस बार के आम चुनाव में प्रधानमंत्री का उत्तराखंड का यह पहला दौरा है। इससे पहले प्रधानमंत्री चुनावी सभाओं में दो बार यहां का दौरा कर चुके हैं। वर्ष 2022 में प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान हल्द्वानी में भी एक चुनावी सभा को संबोधित किया। पुलिस और प्रशासन ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर मुकम्मल तैयारियां की हैं। एसएसपी मंजूनाथ टीसी के अनुसार प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर पूरे ऊधम सिंह नगर जिले को नो ड्रोन जोन घोषित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री का सुरक्षा दस्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की एंटी ड्रोन यूनिट भी रुद्रपुर पधार चुकी है। मंजूनाथ के अनुसार, प्रधानमंत्री की सुरक्षा की दृष्टि से चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रधानमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी पांच पुलिस अधीक्षक (एसपी), 14 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और 18 पुलिस क्षेत्राधिकारियों के कंधे पर रहेगी। भारी पुलिस बल के अलावा पांच कंपनी पीएसी भी तैनात रहेंगी। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री के रैली में भारी जन सैलाब उमड़ेगा। इसलिए पुलिस ने शहर के लिए यातायात प्लान जारी किया है। भारी वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमतित नहीं है।

गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल में सबसे बड़ा सरकार विरोधी प्रदर्शन

गाजा,एजेंसी। हमास के खिलाफ अक्टूबर में युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे बड़े सरकार विरोधी प्रदर्शन के तहत रविवार को हजारों इजराइली यरूशलम में संसद भवन के बाहर जमा हुए।उन्होंने सरकार से गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों को छुड़ाने के लिए समझौते पर पहुंचने और निर्धारित समय से पहले चुनाव कराने का अनुरोध किया। लगभग छह महीने से जारी युद्ध को लेकर इजराइली समाज में मतभेद पैदा हो गया है।सात अक्टूबर को सीमा पार कर आए हमास के चरमपंथियों के हमले में 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था।नवंबर में एक सप्ताह के संघर्ष विराम के दौरान लगभग आधे बंधकों को रिहा कर दिया गया था।प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने हमास को खत्म करने और सभी बंधकों की घर वापसी का संकल्प लिया है। हालांकि उनका यह लक्ष्य पूरा होता हुआ नहीं दिख रहा है। युद्ध में हमास को काफी नुकसान हुआ है, लेकिन वह अब भी खत्म नहीं हुआ है जबकि बंधकों के परिवारों को लगता है कि समय निकलता जा रहा है।प्रदर्शनकारी ईनाव मोसेस ने कहा, 'छह महीने बाद ऐसा लगता है कि सरकार को समझ आ गया है कि नेतन्याहू एक बाधा हैं। ऐसा लगता है कि वह वास्तव में उन्हें (बंधकों) वापस नहीं लाना चाहते और इस मिशन में विफल हो गए हैं।' मोसेस के ससुर गेडी मोसेस को बंधक बनाया गया है।

पुलिस ने सुलझाया बदायूं हत्याकांड का मामला

प्रेम प्रसंग के चलते गर्लफ्रेंड के पिता ने ही उतारा मौत के घाट

बदायूं,एजेंसी। उत्तर प्रदेश की बदायूं पुलिस ने पिछले माह एक युवक की हत्या का पर्दाफाश करते हुए आरोपी प्रेमिका समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि एक की तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि दातागंज थाना क्षेत्र में पिछली 25 मार्च को सुमित (25) नामक युवक लापता हो गया था जिसका शव अगले दिन रामगंगा में उतराता मिला था। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि प्रेमप्रसंग के चलते युवक की हत्या की गई थी। उसकी प्रेमिका रिंकी ने कबूला कि पहले उसने अपने प्रेमी सुमित को मिलने के लिए बुलाया फिर सुनोयजित तरीके से पति मुकेश और पिता राधेश्याम के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। कहीं राज न खुल जाए इसलिए प्रेमी के शव को बोरे में भरकर घटनास्थल से तीन किमी दूर रामगंगा में फेंक दिया। उसने यह भी बताया कि कहीं शव पानी में तैरने न लगे इसलिए उसने बोरे में ईंट पत्थर भी रखे थे।हालांकि पुलिस ने प्रेमिका रिंकी और उसके पति रमेश को हिरासत में ले लिया है। रिंकी का पिता अभी भी फरार है। सूत्रों के अनुसार मामला सुमित (25) होली की शाम को लापता हो गया था। घर वालों ने समझा कि वह होली मिलने गांव में गया है। देर रात उसकी पत्नी के पास सुमित का फोन आया उसने बताया कि वह बक्सेना गांव गया हुआ है रात तक आ जायेगा।उसके बाद उसका फोन बंद जाने लगा। परिजनों ने अगले दिन खोजबीन के बाद गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजनों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते कार्यवाही करती तो शायद सुमित की जान बच जाती। इधर पुलिस ने कॉल डिटेल की मदद से सुमित से बात करने वाली रिंकी का पता चला। शक के आधार पर जब पुलिस ने रिंकी और उसके पति को हिरासत में लेकर पूंछताछ की तो उसने मौत का राज खोल दिया और सब सच सच उगल दिया। इस मामले में इंस्पेक्टर दातागंज अरिहंत सिद्धार्थ का कहना है कि युवक का उसकी बहिन की ननद रिंकी से प्रेम प्रसंग चल रहा था,रिंकी की शादी हो चुकी है उसका कहना है कि युवक उसे ज्यादा परेशान करता था,वह होली के त्योहार पर अपने मायके आई थी,जहां उसने युवक को बुलाकर योजनाबद्ध तरीके से घटना को अंजाम दिया,हत्या में रिंकी उसका पति रमेश और पिता राधे श्याम शामिल थे।

दो हफ्तों तक किए गए हमलों के बाद गाजा के मुख्य अस्पताल से हटी इजराइली सेना

इजराइली सेना ने दो हफ्तों तक किए गए हमलों के बाद गाजा के मुख्य अस्पताल से अपने सैनिकों को हटा लिया और अपने पीछे तबाही के बड़े निशान छोड़ दिए हैं। फलस्तीनी निवासियों ने यह जानकारी दी। इजराइली सैनिकों को हटाए जाने के बाद सोमवार को सुबह सैकड़ों लोग शिफा अस्पताल और आसपास के इलाकों में लौटे जहां उन्हें अस्पताल के अंदर और बाहर शव पड़े मिले।इजराइली सेना ने इस हमले को करीब छह महीने से चल रहे युद्ध के सबसे सफल अभियान में से एक बताया और कहा कि उसने सैकड़ों हमास और अन्य आतंकवादियों को मार गिराया तथा कुछ अहम खुफिया दस्तावेज भी जब्त किए।इजराइली सेना हटाए जाने के बाद इलाके में लौटे मोहम्मद महदी ने घटनास्थल के दृश्य को "पूरी तबाही" बताया। उन्होंने कहा कि कई इमारतें जला दी गयीं। उन्होंने इलाके में छह शवों की गिनती की।इनमें से दो शव अस्पताल परिसर में पड़े थे। एक अन्य निवासी याहिया अबू औफ ने कहा कि अस्पताल में मरीज, चिकित्सा कर्मी तथा विस्थापित लोग मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि कई मरीजों को नजदीकी अहली हॉस्पिटल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि सेना के बुलडोजर ने अस्पताल परिसर के भीतर एक अस्थायी कब्रिस्तान को ढहा दिया है।

दिल्ली कैपिटल्स का खुला खाता, सीएसके को 20 रन से हराया, धोनी ने की सीजन की पहली बल्लेबाजी

विशाखापत्तनम। कप्तान ऋषभ पंत (51 रन) के अर्धशतक जड़कर लयहासिल करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 20 रन से हराकर इस सत्र में अपना खाता खोल लिया। पिछले दो मैच गंवाने वाली दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड वार्नर (52 रन) और पृथ्वी साव (43 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी के बाद पंत के अर्धशतक से पांच विकेट पर 191 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद टूर्नामेंट से वापसी कर रहे पंत की 32 गेंद की अर्धशतकीय पारी आकर्षण का केंद्र रही जिसमें चार चौके और तीन छक्के जड़े थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके को तेज गेंदबाज खलील अहमद (21 रन देकर दो विकेट) ने शुरूआती झटके दिये जिससे टीम उबर नहीं सकी और छह विकेट पर 171 रन ही बना सकी। यह सीएसके की इस सत्र में तीन मैच में यह पहली हार है। सीएसके के लिए अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंद में 45 रन और डेरिल मिचेल ने 26 गेंद में 34 रन बनाये। महेंद्र सिंह धोनी इस सत्र में पहली बार बल्लेबाजी करने उतरे तो दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। धोनी ने आते ही मुकेश कुमार (21 रन देकर तीन विकेट) पर चौका लगाकर शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने 16 गेंद में तीन छक्के और चार चौके से नाबाद 37 रन बनाकर दर्शकों का मनोरंजन किया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके क्योंकि तब वह क्रीज पर उतरे थे तो टीम को 23 गेंद में जीत के लिए 72 रन की जरूरत थी। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने भी शुरू में विकेट झटककर सीएसके पर दबाव बनाने में सफलता हासिल की जिसमें अहमद ने एक मेडन से चार ओवर में 21 रन देकर दो विकेट झटके। मुकेश कुमार ने एक ओवर में दो विकेट झटक लिये और तीन ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट चटकाये। अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए फॉर्म में चल रहे वार्नर ने 35 गेंद की पारी के दौरान पांच चौके और तीन छक्के जमाये जो उनका 110वां टी20 अर्धशतक है। इससे उन्होंने क्रिस गेल के टी20 में सबसे ज्यादा 50 से अधिक स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी की। सत्र में अपना पहला मैच खेलते हुए साव ने एक बार फिर सभी को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की याद दिला दी। उन्होंने 27 गेंद में 43 रन की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाये।

महिला हॉकी शिविर के लिए 60 सदस्यीय टीम में कई नए और पुराने चेहरे

नई दिल्ली,एजेंसी।गोलकीपर सविता पूनिया और फारवर्ड वंदना कटारिया जैसी अनुभवी खिलाड़ियों सहित 60 खिलाड़ी सोमवार से यहां शुरू हुए सात दिन के मूल्यांकन शिविर में भाग ले रहे हैं। इस शिविर के बाद ट्रायल्स होंगे जिसके आधार पर राष्ट्रीय टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इस मूल्यांकन शिविर का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में किया जा रहा है।भविष्य के कोचिंग शिविर और अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए संभावित खिलाड़ियों की संख्या 33 करने के लिए 6 और 7 अप्रैल को ट्रायल्स का आयोजन किया जाएगा। हॉकी इंडिया ने बयान में कहा," पुणे में हाल में संपन्न हुई सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर 60 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अब इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखी जाएगी और फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।"सभी खिलाड़ी महिला हॉकी टीम की कोच अंकिता बीएस को रिपोर्ट करेंगे जिन्हें यानेक शोपमैन के त्यागपत्र के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ियों में कई नए चेहरे भी शामिल हैं।

मूल्यांकन शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

गोलकीपरः सविता, सोनल मिंज, बिचू देवी खारीबाम, माधुरी किंडो, बंसारी सोलंकी, प्रोमिला , राम्या कुरमापु

डिफेंडरः उदिता, निक्की प्रधान, रोपनी कुमारी, लालह्रुनमावी, प्रीति, टी सुमन देवी, अंजना डुंगडुंग, निशि यादव।

मिडफील्डरः मोनिका, सोनिका, नेहा, महिमा चौधरी, निशा, ज्योति, सलीमा टेटे, मानश्री शेडेज, अक्षता अबासो ढेकाले, लालरुआतफेली , मरीना लालरामनघाकी, प्रभलीन कौर, मनीषा चौहान, इशिका चौधरी, रितान्या साहू, ज्योति छत्री, अजमीना कुजूर, सुजाता कुजूर , कृतिका एसपी, महिमा टेटे, ममता भट्ट, एडुला ज्योति, अनिशा डुंगडुंग, भावना खाड़े, मैक्सिमा टोप्पो

फॉरवर्डः दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, संगीता कुमारी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसल, लालरिंदिकी, लालरेमसियामी, वर्तिका रावत, प्रीति दुबे, रितिका सिंह, मारियाना कुजूर, मुमताज खान, तरनप्रीत कौर, बलजीत कौर, वंदना कटारिया, दीपी मोनिका टोप्पो, काजल एस अटपडकर, मंजू चोरसिया।

शुभांगी अत्रे ने बेटी के साथ किया प्रैंक, एक्ट्रेस पर पड़ा भारी

अप्रैल फूल डे से पहले एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने बेटी आशी के साथ किए गए एक प्रैंक को शेयर किया और बताया कि कैसे उनका यह प्रैंक उल्टा उन्हीं पर भारी पड़ने वाला था।सिटकॉम भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली शुभांगी ने कहा, चंचलपन के चलते, मैं अपनी बेटी आशी के साथ प्रैंक करने से खुद को नहीं रोक सकी, जो अक्सर अपना फोन खो देती है। एक दिन, जब वह बेचैन होकर फोन ढूंढ रही थी, तो मैंने चुपचाप उसका फोन निकाला और दरवाजे पर लटकी उसकी जैकेट की जेब में डाल दिया।ष्दो घंटे तक, उसने पूरे घर में फोन को ढूंढा। मैं उसे ज्यादा परेशान नहीं देख सकी और उससे कहा, क्या तुमने अपनी जैकेट की जेब में चेक किया? कभी-कभी चीजें वहां पहुंच जाती हैं, जहां हमें उनकी कम उम्मीद होती है। इस बीच उसने कहा कि अगर मुझे फोन नहीं मिला, तो हम शाम को नया फोन खरीद लेंगे। एक्ट्रेस ने आगे बताया, यह सुनकर, मैंने तुरंत उसके जैकेट से फोन निकाला और उसे दे दिया। ये देख वह हसंने लगी, जिसके बाद मुझे एहसास हुआ कि प्रैंक उसके साथ नहीं बल्कि मेरे साथ हुआ। बिनैफर कोहली द्वारा निर्मित, भाबीजी घर पर हैं रात 10.30 बजे एंडटीवी पर प्रसारित होता है।

हरे रंग की साड़ी में तमन्ना भाटिया ने इंटरनेट पर बिखेरी हरियाली

तमन्ना भाटिया ने बार-बार साबित किया है कि वह अपनी स्टाइल से किसी भी आउटफिट में कमाल कर सकती हैं। जब भी अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें या वीडियो पोस्ट करती है, तो वह कुछ समय के लिए सभी की सांसें रोक देती है। शनिवार को भी, तमन्ना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की, जिसने नेटिज़न्स को आश्चर्यचकित कर दिया।लस्ट स्टोरीज़ 2 की अभिनेत्री ने अपने हैंडल पर कई तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह अपनी पन्ना हरे रंग की साड़ी में दिखाई दी। साड़ी को तमन्ना ने सुनहरे डिजाइन के साथ एक जटिल कढ़ाई वाले ब्लाउज के साथ जोड़ा है। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने खूबसूरत सोने की बालियों, गहरे मेकअप और एक समग्र न्यूनतम व्यक्तित्व के साथ अपने लुक को निखारा। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'ग्रीन फ्लैग एनर्जी अरणमनई4।'अभिनेत्री के कई प्रशंसकों ने तुरंत टिप्पणी अनुभाग में तारीफों की बौछार कर दी। उनमें से एक ने लिखा, 'हरियाली।' एक अन्य ने कमेंट किया, 'माधुरी दीक्षित जैसी दिख रही आप'। मसाबा गुप्ता ने कहा, 'सुंदरता!।' एक प्रशंसक ने यह भी कहा, 'बहुत खूबसूरत लग रही है!'पेशेवर मोर्चे पर, तमन्ना के पास कई रोमांचक परियोजनाएं हैं। वह निर्देशक निखिल आडवाणी की आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम और शारवरी वाघ के साथ सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वह शमास नवाब सिद्दीकी की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म बोले चूड़ियां में नजर आएंगी। यह फिल्म मुख्य अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के जीवन की सच्ची घटनाओं पर आधारित है।कथित तौर पर, तमन्ना स्त्री 2 में एक डांस नंबर में भी नजर आएंगी।